# कृषि विज्ञान केन्द्र, बाढ़, पटना

1. **परिचय :**

कृषि विज्ञान केन्द्र, बाढ़, पटना की स्थापना 01 अगस्त 1992 को हुई। यह पटना जिले के कृषि तकनीकी का आकलन, परिमार्जन तथा प्रत्यक्षण की अग्रणी संस्था है। यह केन्द्र कृषकों की सेवा में समर्पित संस्थान है, जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के द्वारा शत–प्रतिशत वित्त पोषित एवं बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर, भागलपुर द्वारा संचालित है। यह केन्द्र अगवानपुर प्रक्षेत्र में अवस्थित है जो राष्ट्रीय राजमार्ग सं0–31 पर बाढ़ से 04 किलोमीटर दक्षिण तथा जिला मुख्यालय, पटना से 80 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है। यह केन्द्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के कार्यादेश के अनुरूप कार्य कर रहा है।

2. **केन्द्र के कार्यादेश :**

1. तकनीकी निर्धारण एवं प्रत्यक्षण के अनुप्रयोग द्वारा क्षमता संवर्धन।
2. विभिन्न फसलों एवं कृषि तकनीकों पर अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण का आयोजन कर नवीनतम कृषि तकनीकों का प्रचार एवं प्रसार करना।
3. किसानों एवं प्रसार कार्यकर्त्ताओं में नवीनतम कृषि तकनीकी से संबंधित ज्ञान एवं कौशल के नवीकरण हेतु क्षमतावर्धन करना।
4. जिले की कृषि प्रणाली के अनुरूप बीज उत्पादन।

3. **भौतिक स्थिति :**

(क) प्रक्षेत्र – 20 हे• : 14.0 हे• कृषि हेतु उपलब्ध, 04 हे• बगीचा, अन्य 2.0 हे•

(ख) भवन निर्मित : प्रशासनिक भवन, किसान घर, वरीय वैज्ञानिक आवास, बीज गोदाम एवं बीज बिक्री केन्द्र, कृषि उपकरण कक्ष, सामुदायिक रेडियो स्टेशन एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष।

(ग) परिवहन साधन : मोटर साईकल (दो)

(घ) अन्य संसाधन : बीज प्रसंस्करण इकाई, ट्रैक्टर–3, ट्रेलर–2, मल्टी क्रॉप थ्रेसर, पैडी थ्रेसर, कम्बाइन हार्वेस्टर, जीरो टिलेज मशीन–2, हैप्पी सीडर –4, मल्टी क्रॉप प्लांटर – 1, रेज्ड बेड प्लांटर –1, बेलर –2, हे• रेक – 2, ड्रम सीडर –2, स्वचालित कटनी यंत्र–1, स्वचालित निकाई –गुड़ाई यंत्र –1, ट्रैक्टर चलित स्प्रेयर–1, बैट्री चलित स्प्रेयर –2

4. **(क) वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की अद्यतन स्थिति :**

| क्रम सं• | स्वीकृत पद का नाम | सं0 | पदधारक का नाम | रिक्त पद |
|---|---|---|---|---|
| 1. | वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान | 01 | डॉ• रीता सिंह | 0 |
| 2. | विषय वस्तु विशेषज्ञ (कृषि अभियंत्रण) | 01 | डॉ• मृणाल वर्मा | 0 |
| 3. | विषय वस्तु विशेषज्ञ (मृदा विज्ञान) | 01 | श्री राजीव कुमार | 0 |
| 4. | विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) | 01 | डॉ• पुष्पम पटेल | 0 |
| 5. | विषय वस्तु विशेषज्ञ (पौधा प्रजनन एवं आनुवांशिकी) | 01 | श्रीमती संगीता कुमारी | 0 |
| 6. | विषय वस्तु विशेषज्ञ | 01 | रिक्त | 01 |
| 7. | विषय वस्तु विशेषज्ञ | 01 | रिक्त | 01 |
| 8. | प्रक्षेत्र प्रबंधक | 01 | रिक्त | 01 |
| 9. | कार्यक्रम सहायक (संगणक) | 01 | श्री अखिलेश कुमार | 0 |
| 10. | कार्यक्रम सहायक (प्रयोगशाला) | 01 | डॉ• प्रकाश चन्द्र गुप्ता | 0 |
| 11. | सहायक | 01 | श्री जयंत प्रसाद | 0 |
| 12. | आशुलिपिक | 01 | श्री चंदन कुमार | 0 |
| 13. | चालक | 01 | श्री कन्हैया कुमार राय | 0 |
| 14. | चालक | 01 | रिक्त | 01 |
| 15 | सपोर्टिंग स्टॉफ | 01 | श्री बच्चन साह | 01 |
| 16 | सपोर्टिंग स्टॉफ | 01 | रिक्त | 01 |

5. **पटना जिला : एक दृष्टि**

**(क) भौगोलिक स्थिति :**

**1.** कुल क्षेत्रफल : 3,17,236 हे•

**2.** कृषि क्षेत्रफल : 2,01,104 हे• (65.16%)

i. टाल क्षेत्र : 30,209 हे• (15.02%)

ii. दियारा क्षेत्र : 1,6345.5 हे• (8.12%)

iii. जल्ला क्षेत्र : 3,508.5 हे• (1.74%)

iv. सिंचित क्षेत्र : 67,637.24 हे• (33.63%)

v. वर्षा आश्रित क्षेत्र : 83,403.85 हे• (41.47%)

**3.** मिट्टी : दोमट, भारी दोमट

**4.** मृदा का पी• एच• : 6.8–7.5

**5.** कुल सिंचित क्षेत्र का विवरण :

i. नहर : 51,115.00 हे•

ii. राजकीय नलकूप : 1683.77 हे•

iii. लघु सिंचाई : 975.50 हे•

iv. निजी नलकूप : 122651.5 हे•

v. अन्य श्रोत : 3170.0 हे• (आहर, पइन, तालाब, कुआँ आदि)

vi. पेयजल : सरकारी नल, चापाकल, कुआँ

**(ख) जनसंख्या एवं प्रशासन :**

| | | |
|---|---|---|
| 1. कुल जनसंख्या | : | 58,38,465 (जनगणना वर्ष 2011) |
| 2. ग्रामीण | : | 33,23,875 (56.93%) |
| 3. शहरी | : | 25,14,590 (43.07%) |
| 4. लिंगानुपात | : | 897 |
| 5. साक्षरता (प्रतिशत) | : | 70.68 |
| 6. संभाग | : | 01 |
| 7. अनुमंडल | : | 06 |
| 8. प्रखंडों की संख्या | : | 23 |
| 9. पंचायतों की संख्या | : | 328 |
| 10. ग्रामों की संख्या | : | 1,388 |
| 11. चिरागी ग्रामों की संख्या | : | 1,264 |
| | : | (श्रोत : जनसंख्या निदेशालय, बिहार, 2011) |

**(ग) कृषि जलवायु क्षेत्र का विवरण :**

- कृषि जलवायु क्षेत्र : III-B बिहार
- मिट्टी : जलोढ़
- जलवायु : समशीतोष्ण जलवायु
- औसत वर्षापात : 1110 मी•मी•

**(घ) मुख्य फसल पद्धति :**

- धान – गेहूँ
- धान – रबी दलहन/तेलहन
- मक्का – आलू /सब्जी
- धान – गेहूँ / सरसों

## 6. प्राथमिकता आधारित कार्य क्षेत्र (Thrust Area)

- अनाज, दलहनी एवं तेलहनी फसलों की उत्पादकता में वृद्धि लाना।
- समेकित पोषक तत्व प्रबंधन एवं समेकित कीट प्रबंधन का टिकाऊ कृषि हेतु अनुपालन।

- फसलों में खर पतवारों का प्रबंधन।
- कृषि में महिलाओं का सशक्तिकरण।
- मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, बकरी पालन, कुक्कुट पालन एवं फलों – सब्जियों के परिरक्षण एवं प्रसंस्करण से आमदनी अर्जित करना।
- संसाधन संरक्षण तकनीक एवं नियंत्रित सिंचाई प्रणाली को लोकप्रिय बनाना।
- दुधारू पशुओं का समुचित प्रबंधन कर दूध की उत्पादकता में वृद्धि लाना।
- कृषि यांत्रिकरण को बढावा देना।
- प्राकृतिक / जैविक खेती को बढ़ावा देना।
- जलवायु के अनुकूल मोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा देना।

**7. पटना जिला का मानचित्र :–**

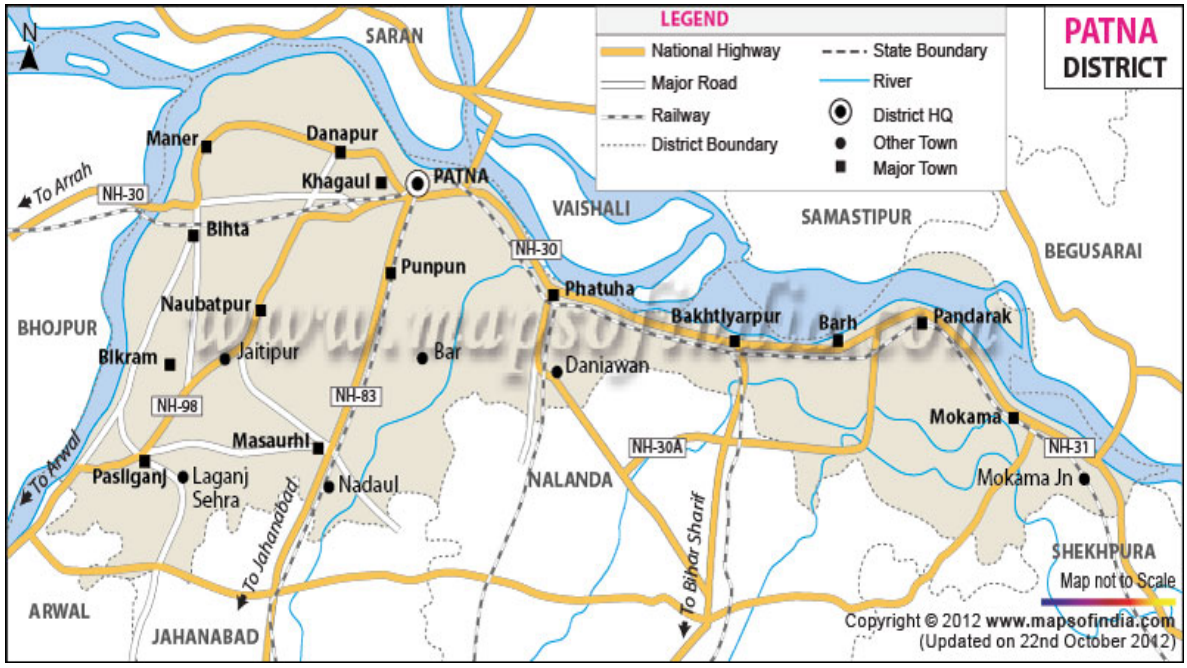


**8. कृषि विज्ञान केन्द्र, बाढ़ की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 22वीं बैठक का अनुपालन प्रतिवेदन :**

| क्र•सं• | कार्यवाही | अनुपालन |
|---|---|---|
| 1 | वर्ष 2022–23 में जाँच किये गये मिट्टी के नमूने के आधार पर पोषक तत्व प्रबंधन रणनीति 15–20 दिनों के अंदर बनाना सुनिश्चित किया जाय। | मिट्टी जाँच प्रयोगशाला की स्थापना के बाद कुल 4209 नमूनों की जाँच की गई एवं 3300 (78.6 प्रतिशत) नमूनों में जिंक की कमी पाई गई जिसके आधार पर अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण के माध्यम से जिंक सल्फेट का प्रत्यक्षण एवं प्रशिक्षण में जिंक सल्फेट का फसल उत्पादन में महत्व पर किसानों को अवगत कराया जाता है।<br>वर्ष 2022–23 में नमूना जाँच के आधार पर मिट्टी में पोषक तत्वों की स्थिति निम्न है– |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | परीक्षित घटक | जाँच किये गये कुल नमूनों की संख्या | क्रान्तिक सीमा से नीचे कुल नमूनों की संख्या | सामान्य सीमा के अन्दर कुल नमूनों की संख्या | सामान्य सीमा के उपर कुल नमूनों की संख्या |
| | | पी• एच• (6.48–7.82) | 308 | 0 | 308 | 0 |
| | | विद्युत चालकता (0.08–0.46 डे. सा.मी$^{-1}$) | 308 | 0 | 308 | 0 |
| | | जैविक कार्बन (%) | 308 | 146 (0.5 से कम) | 162 (0.5–0.75) | 0 |
| | | फास्फोरस (कि.ग्रा/हे.) | 308 | 0 (10 कि. ग्रा. से कम) | 182 (10 – 20 कि.ग्रा.) | 126 (20 कि.ग्रा. से अधिक) |
| | | पोटाश (कि. ग्रा/हे.) | 308 | 120 कि.ग्रा. /हे. से कम 0 | 120 – 250 कि.ग्रा./हे. 308 | 250 कि. ग्रा./हे. से अधिक 0 |
| | | जस्ता (पी.पी. एम.) | 31 | 27 | 4 | 0 |
| | | ताँबा (पी.पी. एम.) | 31 | 0 | 31 | 0 |
| | | लोहा (पी.पी. एम.) | 31 | 0 | 31 | 0 |
| | | मैंगनीज (पी. पी. एम.) | 31 | 0 | 31 | 0 |
| 2 | खेसारी के प्रभेद रतन एवं प्रतीक के नये बीज का क्रय करना सुनिश्चित किया जाय एवं इसे किसानों के बीच अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण के माध्यम से प्रत्यक्षण किया जाय। | खेसारी के प्रभेद रतन को बढावा देने हेतु रतन प्रभेद को जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम में 50 एकड़ में कुल 50 किसानों के खेत पर प्रत्यक्षित किया गया जिसमे औसत उपज 8.96 क्विं•/एकड़ रही जो स्थानीय प्रभेद की तुलना में 17.96 प्रतिशत अधिक पायी गयी, स्थानीय प्रभेद की औसत उपज 7.35 क्विं•/एकड़ थी। केन्द्र पर चल रहे दीर्घ कालीन फसल पद्धति प्रयोग प्रक्षेत्र में रबी मौसम में एक प्लाट (1000 वर्ग मीटर) में प्रदर्शन किया जाता रहा है एवं किसानों को एक्सपोजर विजिट के दौरान इस प्रभेद की खासियत को बताया जाता है। वर्तमान में 2.5 एकड़ प्रक्षेत्र में बीज उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत खेसारी बीज प्रभेद रतन को लगाया गया है। | | | | |
| 3 | केन्द्र पर आम एवं अमरूद के पौधों की बिक्री हेतु जिला कृषि पदाधिकारी, पटना एवं क्षेत्रीय निदेशक, कृषि अनुसंधान संस्थान, पटना से संपर्क स्थापित किया जाय | केन्द्र पर उपलब्ध धान, गेहूँ, चना, मसूर, सरसों, आम, अमरुद एवं नीबू के पौधों की बिक्री हेतु जिला कृषि पदाधिकारी एवं क्षेत्रीय निदेशक, कृषि अनुसंधान संस्थान, पटना को समय –समय पर सूचित किया जाता है। इस विषय के आलोक में पत्र सं 54 दिनांक 29.05.2023 एवं पत्र सं 69 दिनांक 06.06.2023 के माध्यम | | | | |

| | | |
|---|---|---|
| | एवं इसकी सूचना नियंत्री पदाधिकारी को दिया जाय। | से क्षेत्रीय निदेशक, कृषि अनुसंधान संस्थान, पटना को सूचित किया गया। |
| 4 | सबौर समद्धि और सबौर निर्जल की उत्पादकता कम है तो इसका परीक्षण ऑन फार्म ट्रायल के माध्यम से पुनः सुनिश्चित किया जाय तथा फसल कटाई के समय इसकी सूचना डा॰ अमरेन्द्र कुमार, प्रधान वैज्ञानिक के देख–रेख में कराई जाय तथा यह ध्यान रखा जाय कि सबौर निर्जल प्रभेद में सिंचाई नहीं किया जाय। | सबौर निर्जल की कम उत्पादकता के कारण किसान अपने खेत पर लगाने को तैयार नहीं हो रहे हैं।<br>अतः इस प्रयोग को केन्द्र के प्रक्षेत्र पर लगाने की अनुमति दी जाय ताकि सबौर समृद्धि के उत्पादकता का सही मूल्यांकन हो सके। |
| 5 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना एवं आत्मा पटना संयुक्त भ्रमण के लिए प्रशिक्षण कैलेण्डर मार्च 2024 तक बनाया जाय तथा इसकी सूचना नियंत्री पदाधिकारी, निदेशक प्रसार शिक्षा को दी जाय। | जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम एवं अन्य कार्यक्रमों यथा खरीफ एवं रबी महाभियान, किसान चौपाल आदि कार्यक्रमों में कार्यक्रम अनुसार संयुक्त सहभागिता रहती है। इस आलोक में जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक, आत्मा, पटना को पत्र सं 57 दिनांक 31.05.2023, पत्र सं 107 दिनांक 13.07.2023, पत्र सं 186 दिनांक 30.08.2023, पत्र सं 376 दिनांक 07.02.2024, पत्र सं 01 दिनांक 02.04.2024, पत्र सं 07 दिनांक 12.04.2024 एवं पत्र सं 70 दिनांक 10.06.2024 के माध्यम से सूचित किया गया। |
| 6 | ऑन फार्म ट्रायल कार्यशाला में प्याज पर ऑन फार्म ट्रायल का प्रस्तुतीकरण करना है। | वर्ष 2015 –16 में प्याज पर ऑन फार्म ट्रायल किया गया था जिस कारण ऑन फार्म ट्रायल की पुनरावृति न हो इस विषय पर ऑन फार्म ट्रायल का इस वर्ष के कार्यशाला में प्रस्तुतीकरण नहीं किया गया। |

| तकनीकी विकल्प | उपज (क्विं॰/हे॰) | सकल लागत (रु॰/हे॰) | सकल लाभ (रु॰/हे॰) | शुद्ध लाभ (रु॰/हे॰) | लाभ लागत अनुपात |
|---|---|---|---|---|---|
| किसान विधि (145 कि॰ग्रा॰ नत्रजन, 70 कि॰ग्रा॰ फास्फोरस एवं 25 कि॰ग्रा॰ पोटाश/हे॰ | 138.07 | 141200 | 182250 | 41050 | 1.29 |
| त्कनीकी विकल्प I (अनुशंसित उर्वरक प्रयोग , 8 टन गोबर की खाद, 120 कि॰ग्रा॰ नत्रजन, 60 कि॰ग्रा॰ फास्फोरस, 60 कि॰ग्रा॰ पोटाश एवं 20 कि॰ग्रा॰ गंधक) | 178.87 | 126400 | 236106 | 109706 | 1.86 |
| 7.5 टन गोबर की खाद, 110 कि॰ग्रा॰ नत्रजन, 40 कि॰ग्रा॰ फास्फोरस, 60 कि॰ग्रा॰ पोटाश एवं 15 कि॰ग्रा॰ गंधक)<br>प्याज एवं लहसून निदेशालय,पुणे | 188.33 | 128800 | 248598 | 119798 | 1.93 |
| 7.5 टन गोबर की खाद, 110 कि॰ग्रा॰ नत्रजन, 40 कि॰ग्रा॰ फास्फोरस, 60 कि.ग्रा. पोटाश एवं 15 कि॰ग्रा॰ गंधक) एवं रोपाई के 45 एवं 60 दिन बाद 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट का पर्णीय छिड़काव<br>प्याज एवं लहसून निदेशालय,पुणे | 199.47 | 139000 | 263169 | 124169 | 1.89 |

| | | |
|---|---|---|
| 7 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना में मासिक बैठक की प्रति भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, पटना को भी उपलब्ध कराया जाय। | मसिक बैठक की प्रति निदेशालय, प्रसार शिक्षा, सबौर, भागलपुर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, पटना को भी उपलब्ध कराया जाता है।<br>संबद्ध विभाग को पत्र सं 68 दिनांक 03.06.2023, 95 दिनांक 28. 06.2023, 124 दिनांक 26.07.2023, 182 दिनांक 22.08.2023, 191 दिनांक 31.08.2023, 228 दिनांक 30.9.2023, 259 दिनांक 27.10. 2023, 303 दिनांक 01.12.2023, 330 दिनांक 27.12.2023, 362 दिनांक 25.01.2024, 398 दिनांक 2.3.2024, 418 दिनांक 18.03. 2024 458 दिनांक 28.3.2024, 23 दिनांक 30.04.2024, 48 दिनांक 30.05.2024 एवं 81 दिनांक 28.06.2024 के माध्यम से भेजा गया है। |
| 8 | तीन माह का प्रशिक्षण कैलेण्डर बनाकर सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में आदान प्रदान कर संबंधित विषय पर प्रशिक्षण हेतु वैज्ञानिकों को संसाधन व्यक्ति के रूप में सेवा ली जाय। | तीन माह का प्रशिक्षण कैलेण्डर बनाकर कृषि विज्ञान केन्द्र, नालंदा, शेखपुरा से आदान प्रदान कर संबंधित विषय पर प्रशिक्षण हेतु वैज्ञानिकों को संसाधन व्यक्ति के रुप में समय समय पर बुलाया जाता है।<br>अद्यतन प्रशिक्षण कैलेण्डर पत्र सं 91 दिनांक 04.07.2024 को विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्र को पत्र के माध्यम से उपलब्ध कराया गया है। |
| 9 | कृषि विज्ञान केन्द्र में उपलब्ध बीज की जानकारी किसानों एवं जिला कृषि पदाधिकारी पटना को सूचना दी जाय। | कृषि विज्ञान केन्द्र में उपलब्ध बीज की जानकारी किसानों को व्हाट्सएप, फेसबुक एवं प्रशिक्षण के दौरान दी जाती है जबकि जिला कृषि पदाधिकारी पटना को बीज की सूचना पत्र के माध्यम से दी जाती है। |
| 10 | केन्द्र में प्रत्येक मौसम में विभिन्न फसलों एवं मोटे अनाज का क्राप कैफेटेरिया लगाना सुनिश्चित किया जाय। | केन्द्र पर विभिन्न मौसम में फसलों धान, गेहूँ एवं मोटे अनाज (सावाँ, कुटकी, कोदो, कंगनी, बाजरा एवं चीना) का क्रॉप कैफेटेरिया वर्ष 2024–25 (खरीफ एवं रबी) में लगाया गया था। |
| 11 | केन्द्र में लगे क्राप कैफेटेरिया का आकलन किसानों द्वारा केन्द्र पर भ्रमण कराकर सुनिश्चित किया जाय तथा किसानों से प्राप्त सुझाव का डाटा वेस तैयार करना सुनिश्चित किया जाय। डाटा बेस श्री अखिलेश कुमार, कार्यक्रम सहायक, संगणक द्वारा किया जायेगा। | केन्द्र पर प्रशिक्षण, एक्सपोजर विजिट एवं जागरुकता कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों का क्रॉप कैफेटेरिया एवं दीर्घ कालीन फसल पद्धति फसल प्रयोग प्रक्षेत्र का भ्रमण कराकर उससे संबंधित जानकारी दी जाती है एवं उनका सुझाव लिया जाता है। सुझाव के आधार पर ही विभिन्न पोषक आनाजों को प्रत्यक्षण कार्यक्रम में शामिल कर किसानों के बीच इसे लोकप्रिय बनाने का प्रयास किया जा रहा है। वर्ष 2023–24 में बाजरा – 27, ज्वार – 24, कंगनी – 28, कोदो – 08, मडुआ – 05, सावाँ – 04 एवं कुटकी – 07 किसानों के बीच कुल 15.75 हे• में प्रत्यक्षण किया गया। |
| 12 | बिहार कौशल विकास मिशन/ आर•पी•एल• /कौशल विकास प्रशिक्षण समाप्ति के बाद प्रशिक्षण लेने वाले किसानों द्वारा अपनी आय सृजन हेतु क्या–क्या कदम उठाये गए है। (उद्यमशीलता) इसकी प्रतिवेदन बनायी जाय। | बिहार कौशल विकास मिशन/आर•पी•एल•/कौशल विकास प्रशिक्षण समाप्ति के बाद प्रशिक्षण लेने वाले किसानों द्वारा उद्यमिता से अपना आय बढाने वाले उद्यमी की सफलता की कहानी विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर प्रकाशन हेतु उनकी कहानी का संकलन कर निदेशालय प्रसार शिक्षा को उपलब्ध कराया गया है जिससे प्रेरणा लेकर अन्य प्रशिक्षणार्थी भी उद्यमिता को अपनाने हेतु प्रयत्नशील हो रहे हैं। |

| | | |
|---|---|---|
| | | श्री अरुण कुमार, चकनवादा, बाढ़ (मशरुम उत्पादक), श्री बबन कुमार, बेढना (मधुमक्खी पालक), बाढ़, श्री रवि प्रकाश, मुर्तजापुर, बेलछी (मशरुम उत्पादक), एवं श्री शैलेश कुमार, बन्दोह, नालंदा (मशरुम उत्पादक) को बड़े स्तर पर उद्यमिता करने हेतु समय समय पर उनका मार्गदर्शन किया जाता है। |
| 13 | किसानों का डाटा बेस बनाना है एवं किसान सारथी ऐप में अपलोड करना सुनिश्चित किया जाय दो वर्ष पूर्व में जो डाटा अपलोड किया गया था उसे बढ़ाया जाय। किसानों का डाटा बेस में मुख्य रूप से नाम, मोबाईल संख्या, आधार संख्या, ईमेल, पता एवं अन्य। | प्रतिवेदित वर्ष में कुल 152615 किसानों का डाटा बेस तैयार किया गया है एवं किसान सारथी एप पर अपलोड कर दिया गया है। |
| 14 | किसान सारथी ऐप में नोडल पदाधिकारी का नाम बदलने का प्रस्ताव भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग संस्थान, पटना को भेजना सुनिश्चित किया जाय। | किसान सारथी एप में नोडल पदाधिकारी का नाम बदल गया है एवं वर्तमान में इसके नोडल पदाधिकारी डा॰ रीता सिंह (वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान, कृषि विज्ञान केन्द्र, बाढ़, पटना) के नाम से नामित है। |
| 15 | एस॰सी॰एस॰पी॰ योजना से लाभार्थी का आय एवं उसके उत्थान का वर्णन करना है, तथा इसका डाटा बेस तैयार करना सुनिश्ति किया जाय। | एस॰सी॰एस॰पी॰ योजना से लाभार्थी का आय एवं उसके उत्थान का डाटा बेस तैयार किया जा रहा है। |
| 16 | प्राकृतिक खेती के प्रत्यक्षण प्लॉट में प्रभेद का नाम उल्लेख करना सुनिश्चित किया जाय। | प्राकृतिक खेती के प्रत्यक्षण प्लॉट में प्रत्येक मौसम में विभिन्न फसलों के प्रभेद का नाम उल्लेखित किया जा रहा है। |
| 17 | एस॰सी॰एस॰पी॰ योजना मद से केन्द्र में प्रसंस्करण संयंत्र क्रय करना सुनिश्चित किया जाय तथा एस.सी.एस.पी. समूह को प्रशिक्षित करना सुनिश्चित किया जाय। | एस॰सी॰एस॰पी॰ योजना मद से केन्द्र में मिनी तेल निष्कर्षन यंत्र का क्रय GeM पोर्टल से कर लिया गया है एवं किसानों को इस संयंत्र से आय वृद्धि के उपाय प्रशिक्षण के माध्यम से किया जा रहा है। |
| 18 | श्रीमती अनिता कुमारी, प्रगतिशील किसान द्वारा आलू उत्पादन को जीरो टिलेज के माध्यम से करने में आलू उपज में काफी वृद्धि हुई तथा मानव संसाधन की कमी के कारण आलू उत्पादन में लागत भी कम हुई जिससे आय में बढ़ोतरी हुई। उक्त के संदर्भ में सदन ने केन्द्र को निदेश दिया कि संसाधन संरक्षण तकनीक अपनाये जाय ताकि आलू उत्पादन में वृद्धि हो सके। | वर्ष 2023 रबी में केन्द्र पर चल रहे जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम अर्न्तगत दीर्घ कालीन फसल पद्धति प्रयोग के दो प्लॉट में संसाधन संरक्षण तकनीक के तहत जीरो टिलेज विधि से आलू का उत्पादन किया गया एवं उसके परिणाम संतोषप्रद रहे। प्लॉट 1 में उत्पादकता 155.5 क्विं /हे॰ रही जबकि प्लॉट 2 में उत्पादकता 192.0 क्विं॰/हे॰ रही। |

<table>
<tr><td>19</td><td>श्रीमती पुष्पा कुमारी, प्रगतिशील किसान को उत्तम प्रयास के लिए सदन के माननीय सदस्यों द्वारा सराहना की गई तथा दिनांक 19.08.2023 को स्थापना दिवस में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग संस्थान, पटना में लाने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र, बाढ़ पटना को आदेशित किया गया ताकि स्थापना दिवस के अवसर पर श्रीमती पुष्पा कुमारी, प्रगतिशील किसान अपनी अनुभव को अन्य किसानों के साथ साझा कर सके।</td><td>श्रीमती पुष्पा कुमारी एवं श्री रवि प्रकाश, प्रगतिशील किसान को दिनांक 19.08.2023 को स्थापना दिवस में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग संस्थान, पटना में अपने अनुभव को साझा करने हेतु नामित किया गया एवं उन्होंने अपने अनुभव को साझा किया। स्थापना दिवस के अवसर पर श्री रवि प्रकाश को मशरुम उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।</td></tr>
<tr><td>20</td><td>किसान उत्पादक संगठन की कितनी संख्या बढ़ी है उसका उल्लेख वैज्ञानिक सलाहकार समिति की प्रगति प्रतिवेदन में करना सुनिश्चित किया जाय।</td><td>किसान उत्पादक संगठन का क्षमता संवर्धन एवं तकनीकी मार्गदर्शन हेतु उनके साथ समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम आयोजित किया गया है एवं कार्यक्रम का उल्लेख प्रगति प्रतिवेदन में समाहित है।
<table>
<tr><th>संगठन का नाम</th><th>प्राथमिक क्षेत्र</th><th>स्थापना वर्ष</th><th>वार्षिक कारोबार</th></tr>
<tr><td>नौबतपुर बिक्रम फार्मर्स प्रोडयूसर कम्पनी लिमिटेड, बिक्रम</td><td>गेंहूँ</td><td>2018–19</td><td>–</td></tr>
<tr><td>टाल फार्मर्स प्रोडयूसर कम्पनी लिमिटेड, मोकामा</td><td>दहलन</td><td>2019–20</td><td>–</td></tr>
<tr><td>पालीगंज कृषि प्रोडयूसर कम्पनी लिमिटेड, पालीगंज</td><td>सब्जी</td><td>2020</td><td>–</td></tr>
<tr><td>ग्रो एंड नो कृषि फेड प्रोडयूसर कम्पनी लिमिटेड, बख्तियारपुर</td><td>मसूर</td><td>2022–23</td><td>4,00,000.0</td></tr>
<tr><td>दुल्हिनबाजार कृषि फेड प्रोडयूसर कम्पनी लिमिटेड, दुल्हिनबाजार</td><td>मसूर</td><td>2022–23</td><td>29,38,289.0</td></tr>
<tr><td>पाटली ग्राम कृषि फेड प्रोडयूसर कम्पनी लिमिटेड, बिक्रम</td><td>मसूर</td><td>2022–23</td><td>2,21,785.0</td></tr>
<tr><td>पवर्तमाला कृषि फेड प्रोडयूसर कम्पनी लिमिटेड, मोकामा</td><td>मसूर</td><td>2022–23</td><td>11,15,377.0</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>21</td><td>श्री सुधांशु कुमार, प्रगतिशील किसान, कंचनपुर, बिहटा, पटना ने सदन को अवगत कराया कि, जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यक्रम अंतर्गत सभी कृषि यंत्र का बैंक चयनित जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यक्रम गाँव में बनाया जाय ताकि मशीन की समस्या से किसानों की निजात मिल सके तथा पराली जलाने से बचाने के लिए अधिक से अधिक बेल बनाया जाय।</td><td>जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यक्रम अंतर्गत सभी कृषि यंत्र चयनित जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यक्रम गाँव में रखा जाता है ताकि मशीन की समस्या किसानों को नहीं हो एवं पराली जलाने से बचाने के लिए प्रतिवेदित वर्ष में 15 टन बेल बनाया गया।<br>किसान अपने स्तर पर हैप्पी सीडर, जीरो टिलेज या बेलर मशीन जो पराली प्रबंधन एवं मौसम के अनुकूल खेती के लिए उपयुक्त है की खरीद सरकारी सहायता के वावजूद नहीं कर रहे हैं जो चिंता का विषय है।</td></tr>
</table>

| | | |
|---|---|---|
| 22 | श्री सुधांशु कुमार, प्रगतिशील किसान, कंचनपुर, बिहटा, पटना ने सदन को अवगत कराया कि प्रशिक्षण कैलेण्डर तीन–तीन माह पर बनाया जाय और इसकी सूचना ऑनलाईन/ऑफलाईन, लाईन डिपार्टमेंट को भी सूचना दी जाय ताकि उक्त तिथि में किसान अपनी समयानुसार प्रशिक्षण में भाग ले सकें। | प्रत्येक तीन माह पर प्रशिक्षण कैलेण्डर बनाया जाता है एवं इसकी सूचना संबद्ध विभाग को दी जाती है।<br>अद्यतन प्रशिक्षण कैलेण्डर पत्र सं 91 दिनांक 04.07.2024 को विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्र को पत्र के माध्यम से उपलब्ध कराया गया है। |
| 23 | श्री सुधांशु कुमार, प्रगतिशील किसान, कंचनपुर, बिहटा, पटना ने सदन को अवगत कराया कि जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यक्रम अंतर्गत बीज वितरण के बाद किसानों के साथ बैठक कर इसकी प्रतिक्रिया ली जाय। | जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम एवं अन्य प्रत्यक्षण कार्यक्रम में बीज एवं अन्य उपादान वितरण के बाद फसल की उपज एवं विशिष्ठ रोग का प्रकोप या कीट का प्रकोप आदि विषय पर किसानों की प्रतिक्रिया फसल की विभिन्न अवस्था एवं फसल कटनी कार्यक्रम के दौरान ली जाती है एवं उस अनुरुप कार्यक्रम में सुधार लाया जाता है। |
| 24 | श्री चंदन कुमार, प्रगतिशील किसान, मोकामा ने अवगत कराया कि नेपियर चारा से किसानों को काफी लाभ पहुँचा है तथा इसकी संपूर्ण विधिवत जानकारी हेतु 10 किसानों के समूह को झाँसी भेजने का प्रस्ताव दिया। उक्त के संदर्भ में प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग संस्थान, पटना ने कृषि विज्ञान केन्द्र को निदेश दिया कि इसकी प्रस्ताव अटारी, पटना को भेजना सुनिश्चित किया जाय। | पशुपालन एवं बकरी पालन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को नेपियर चारा के बारे में संपूर्ण विधिवत जानकारी प्रदान की जाती है। नेपियर चारा को किसानों के बीच लोकप्रिय करने हेतु भारतीय चारा अनुसंधान केन्द्र, झाँसी से नेपियर चारा का स्लिप मँगवाकर प्रत्यक्षण अन्तर्गत उपलब्ध कराया गया है। इस वर्ष के कार्य योजना में 50 किसानों को 50 स्लिप प्रति किसान उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। |
| 25 | पशुपालन से संबंधित प्रशिक्षण का कैलेण्डर भी बनाना है तथा पशुपालन प्रशिक्षण में संसाधन व्यक्ति के रूप में अनुमंडल पशुपालन पदाधिकारी से अनुरोध किया जाय ताकि पशुपालकों को नियमित प्रशिक्षण दिया जा सके। | पत्र सं 232 दिनांक 03.10.2023 को सह अधिष्ठाता एवं प्राचार्य, बिहार पशु विज्ञान महाविद्यालय को प्रशिक्षण हेतु डॉ॰ धर्मेन्द्र कुमार को नामित करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया साथ ही साथ पत्र सं॰ 236 दिनांक 06.10.2023 को अनुमंडल पशुपालन पदाधिकारी, बाढ़ को भ्रमणशील पशुचिकित्सक को प्रशिक्षण हेतु नामित करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया। प्रतिवेदित वर्ष में पशुपालन विषय पर कुल 02 प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें कुल 72 प्रशिक्षणार्थी ने भाग लिया। साधन सेवी के रुप में बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के सह प्राध्यापक डॉ॰ धर्मेन्द्र कुमार की सेवा ली गई। |
| 26 | आलू बीज उत्पादन हेतु नेट हाउस की स्थापना हेतु डी॰पी॰ आर॰ बनवाकर राशि की माँग | सेवा प्रदाता मेसर्स हवी वेन्चर्स, राँची, झारखण्ड से नेट हाउस स्थापना हेतु डी॰पी॰ आर॰ बनवा लिया गया है जिसमें कुल ₹ 3,61,721.00 रु व्यय का अनुमान है। इस कार्य को चालू वित्तीय |

| | | |
|---|---|---|
| | विश्वविद्यालय से सी.आर.ए. योजना से किया जाय। | वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। |
| 27 | ऑन फार्म ट्रायल का एक प्रतिकृति कृषि विज्ञान केन्द्र, में भी लगाना है। | ऑन फार्म ट्रायल : शीर्षकः धान की खेती में नत्रजन उपयोग दक्षता बढ़ाना (मृदा विज्ञान) की एक प्रतिकृति खरीफ मौसम में कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र में भी लगायी गयी थी। |
| 28 | जिला का आकस्मिक योजना मॉडल प्लान ए•, प्लान बी• एवं प्लान सी• बनाना है। | जिला का आकस्मिक फसल योजना बनाया गया है जिसे प्रगति प्रतिवेदन में समाहित किया गया है। |
| 29 | अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, बाढ़ ने जल संरक्षण एवं बीज तथा पौधों की सूचना की जानकारी उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया ताकि जल संरक्षण एवं बीज तथा पौधों के संबंध में किसानों को नियमित जानकारी कृषि विभाग द्वारा दी जा सके। | अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, बाढ़ को जल संरक्षण तकनीक एवं पौधों के उपलब्धता की जानकारी नियमित रुप से दिया जाता है। |

## 9. कृषि विज्ञान केन्द्र, बाढ़ की 23वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक हेतु कार्य सूची :–

- टूटे चाहरदीवारी एवं मुख्य द्वार के मरम्मत की आवश्यकता है।
- कृषि विज्ञान केन्द्र में किसान घर एवं एक बड़े प्रशिक्षण हॉल की आवश्यकता हैं।
- कृषि विज्ञान केन्द्र में वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान क्वार्टर एवं बीज बिक्री केन्द्र में आवश्यक मरम्मती की आवश्यकता है।
- कृषि विज्ञान केन्द्र में स्टाफ क्वार्टर की आवश्यकता है।
- केन्द्र के मुख्य पथ से पहुंच पथ तक सड़क के मरम्मती की आवश्यकता है।

## 10. केन्द्र की उपलब्धि अगस्त–2023 से फरवरी 2025 तक :

**i. प्रशिक्षण कार्यक्रम :**

**(क) कृषकों के लिए :**

| क्र• सं• | विषय | प्रशिक्षणों की संख्या | लाभार्थियों की संख्या | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | सामान्य | अनु• जा• | |
| 1. | **गृह विज्ञान** | 20 | 1023 | 520 | **1543** |
| 2. | **कृषि अभियंत्रण** | 48 | 1175 | 278 | **1453** |
| 3. | **मृदा विज्ञान** | 73 | 2495 | 856 | **3351** |
| 4. | **उद्यान** | 39 | 735 | 332 | **1067** |
| 5. | **पौधा प्रजनन एवं अनुवांशिकी** | 16 | 188 | 306 | **494** |
| | **कुल** | **196** | **5616** | **2292** | **7908** |

(ख) ग्रामीण युवक/ युवतियों के लिए :

| क्र॰ सं॰ | विषय | प्रशिक्षणों की संख्या | लाभार्थियों की संख्या | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | सामान्य | अनु॰ जा॰ | |
| 1. | गृह विज्ञान | 05 | 100 | 29 | **129** |
| 2. | कृषि अभियंत्रण | 04 | 98 | 13 | **111** |
| 3. | मृदा विज्ञान | 03 | 64 | 11 | **75** |
| 4. | उद्यान | 10 | 223 | 69 | **292** |
| 5. | पौधा प्रजनन एवं अनुवांशिकी | 06 | 149 | 51 | **200** |
| | कुल | **28** | **634** | **173** | **807** |

(ग) प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए :

| क्र॰ सं॰ | विषय | प्रशिक्षणों की संख्या | लाभार्थियों की संख्या | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | सामान्य | अनु॰ जा॰ | |
| 1. | गृह विज्ञान | 04 | 89 | 23 | **112** |
| 2. | कृषि अभियंत्रण | 07 | 217 | 55 | **272** |
| 3. | मृदा विज्ञान | 06 | 285 | 63 | **348** |
| 4. | उद्यान | 10 | 227 | 107 | **334** |
| 5. | पौधा प्रजनन एवं अनुवांशिकी | 05 | 117 | 30 | **147** |
| | कुल | **32** | **935** | **278** | **1213** |

(घ) प्रायोजित कार्यक्रम :

| क्र॰ सं॰ | विषय | प्रशिक्षणों की संख्या | लाभार्थियों की संख्या | | कुल योग | प्रायोजक |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | सामान्य | अनु॰ जा॰ | | |
| 1. | गृह विज्ञान | 08 | 241 | 96 | **337** | आत्मा पटना, जीविका पटना, जिला कृषि कार्यालय, पटना, इफको, ब्रेडा। |
| 2. | कृषि अभियंत्रण | 18 | 1073 | 197 | **1270** | |
| 3. | मृदा विज्ञान | 04 | 432 | 71 | **503** | |
| 4. | उद्यान | 05 | 195 | 48 | **243** | |
| 5. | पौधा प्रजनन एवं अनुवांशिकी | 01 | 30 | 0 | **30** | |
| | कुल | **36** | **1971** | **412** | **2383** | |

(ड़) कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमः (ग्रामीण युवक/युवतियों के लिए) :

| फसल/उद्यम | विषयक क्षेत्र | प्रशिक्षण का शीर्षक | प्रशिक्षण की सं॰ | अवधि (घंटा)/दिन | लाभार्थियों की संख्या | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | पुरूष | महिला | कुल |
| उद्यमिता विकास | पूर्व शिक्षण की मान्यता | मशरूम उत्पादक | 01 | 80 | 25 | 05 | 30 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्मी कम्पोस्ट | पूर्व शिक्षण की मान्यता | वर्मी कम्पोस्ट उत्पादक | 03 | 80 | 68 | 07 | 75 |
| माली | उद्यमिता विकास | माली प्रशिक्षण | 01 | 210 | 21 | 04 | 25 |
| उद्यमिता विकास | पशुपालन | पशुपालन एक लाभकारी व्यवसाय | 02 | 05 दिन | 66 | 14 | 80 |
| उद्यमिता विकास | बकरी पालन | बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय | 02 | 05 दिन | 44 | 12 | 56 |
| उद्यमिता विकास | उद्यानिकी | एयर लेयरिंग के माध्यम से पौधशाला तैयार करना। | 01 | 05 दिन | 23 | 05 | 28 |
| यांत्रीकरण | यांत्रीकरण | विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों का प्रचालन एवं रखरखाव। | 01 | 05 दिन | 22 | 02 | 24 |
| उद्यमिता विकास | मशरूम उत्पादन | मशरूम की वैज्ञानिक खेती। | 01 | 05 दिन | 50 | 03 | 53 |
| उद्यमिता विकास | सब्जी उत्पादन | कम लागत वाले सब्जियों की संरक्षित खेती। | 01 | 05 दिन | 16 | 25 | 41 |
| उद्यमिता विकास | फसल उत्पादन | रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती। | 01 | 05 दिन | 14 | 16 | 30 |
| **कुल** | | | | | **349** | **93** | **442** |

## (च) विशेष कार्यक्रम

### (1) प्रधानमंत्री का सीधा प्रसारण :

| क्र•सं• | कार्यक्रम का नाम | तिथि | स्थान | किसानों की संख्या | विशिष्ट अतिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | किसान सम्मान सम्मेलन | 15.11.2023 | कृ•वि•के•, पटना | 61 | श्री राजेश सिंह राजू, भाजपा जिलाध्यक्ष, बाढ़ |
| 02 | किसान सम्मान निधि योजना अन्तर्गत प्रधानमंत्री का सीधा प्रसारण | 28.02.2024 | | 178 | |
| 03 | किसान सम्मान निधि योजना अन्तर्गत प्रधानमंत्री का सीधा प्रसारण | 18.06.2024 | कृ•वि•के•, पटना | 80 | . |
| 04 | प्रधानमंत्री द्वारा बीज के 109 प्रभेदों का विमोचन। | 11.08.2024 | कृ•वि•के•, पटना | 83 | |
| 05 | केन्द्रीय कृषि मंत्री द्वारा राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली के शुभारंभ। | 15.08.2024 | कृ•वि•के•, पटना | 34 | |
| 06 | प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अन्तर्गत | 05.10.2024 | कृ•वि•के•, पटना | 88 | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र संबंधित पहलों का शुभारंभ | | | | |
| 07 | प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि अन्तर्गत 19वीं किस्त का हस्तांतरण। | 24.02.2025 | कृ•वि•के•, पटना | 352 | |

**(2) सवाल जबाब कार्यक्रम (प्रयोगशाला से खेत तक):**

| क्र.सं. | साधनसेवी का नाम | दिनांक | विषय |
|---|---|---|---|
| 01 | डॉ• रीता सिंह, वरीय वैज्ञानिक एव प्रधान | 07.12.2024 | मशरूम की वैज्ञानिक खेती एवं महत्व। |

**(3) सवाल जबाब कार्यक्रम (प्रयोगशाला से खेत तक):**

| क्र.सं. | कार्यक्रम का नाम | तिथि | स्थान | किसानों की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 01 | सवाल जबाव (प्रयोगशाला से खेत तक) | 01.11.2023 | कृ•वि•के•, पटना (आभासी) | 10 |
| 02 | सवाल जबाव (प्रयोगशाला से खेत तक) | 03.02.2024 | | 09 |
| 03 | गरमा सब्जियों की खेती | 06.04.2024 | | 21 |
| 04 | गर्मियों के मौसम में पशुओं का रख रखाव। | 04.05.2024 | | 16 |
| 05 | मौसमी फलों का मूल्यवर्धित उत्पाद। | 01.06.2024 | | 15 |
| 06 | खरीफ मौसम में फसलों की तैयारी। | 06.07.2024 | | 34 |
| 07 | मशरूम की वैज्ञानिक खेती एवं महत्व। | 07.12.2024 | | 28 |

**(4) किसान मेला :**

| क्र.सं. | कार्यक्रम का नाम | तिथि | स्थान | किसानों की संख्या | विशिष्ट अतिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | किसान मेला | 17–19.02.2024 | बि•कृ•वि•वि•, सबौर | 275 | – |
| 02 | अनुसूचित जाति उप योजना अंतर्गत किसान मेला | 12–13.03.2024 | कृ•वि•के•, पटना | 1208 | डा• अमरेन्द्र कुमार, मुख्य वैज्ञानिक, अटारी, पटना, डा• एम• डी• ओझा, क्षेत्रीय निदेशक, कृ•अनु• सं•, पटना |

**(5) प्राकृतिक खेती पर जागरूकता कार्यक्रम**

| क्र.सं. | कार्यक्रम का नाम | तिथि | स्थान | किसानों की संख्या | विशिष्ट अतिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण सह जागरूकता | 15.03.2024 | कृ•वि•के•, पटना | 836 | माननीय कुलपति, एवं निदेशक प्रसार |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | कार्यक्रम | | | | शिक्षा, बि•कृ•वि•वि•, सबौर, भागलपुर। |

(6) केन्द्र द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रम :–

| क्र• सं• | कार्यक्रम का नाम | दिनांक | स्थान | लाभार्थियों की संख्या | मुख्य अतिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | गाजर घास उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम | 17.08.2023 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 51 | |
| 2 | राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2023 | 02.09.2023 | बेढ़ना, बाढ़ | 18 | |
| 3 | अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के व्यंजन प्रतियोगिता। | 14.09.2023 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 21 | |
| 4 | अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज व्यंजन प्रतियोगिता। | 30.11.2023 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 28 | |
| 5 | विश्व मृदा दिवस | 05.12.2023 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 42 | – |
| 6 | किसान दिवस | 23.12.2023 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 53 | – |
| 7 | राष्ट्रीय विज्ञान दिवस | 28.02.2024 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 96 | श्री राजेश सिंह राजू, भाजपा जिलाध्यक्ष, बाढ़ |
| 8 | विश्व दलहन दिवस | 10.02.2024 | दलहन अनुसंधान केन्द्र, मोकामा | 67 | – |
| 9 | अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस | 08.03.2024 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 28 | श्रीमती पिंकी देवी, सरपंच, बेढ़ना |
| 10 | विश्व पृथ्वी दिवस | 22.04.2024 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 16 | – |
| 11 | विश्व पर्यावरण दिवस | 05.06.2024 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 44 | – |
| 12 | बिहार आमोत्सव 2024 | 14–16.06. 2024 | राज भवन पटना | 230 | |
| 13 | विश्व योग दिवस | 21.06.2024 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 13 | |
| 14 | गाजर घास उन्मूलन सप्ताह | 16–22.08. 2024 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 33 | |
| 15 | कृषक स्वर्ण समृद्धि सप्ताह | 23–28.09. 2024 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना एवं मोकामा | 224 | |
| 16 | महिला किसान दिवस | 15.10.2024 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 56 | |
| 17 | विश्व खाद्य दिवस | 16.10.2024 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 46 | |
| 18 | विश्व विज्ञान दिवस | 10.11.2024 | कृषि विज्ञान केन्द्र, | 19 | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | पटना | | |
| 19 | किसान दिवस | 23.12.2024 | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 58 | |

(7) सामुदायिक रेडियो स्टेशन :

| | |
|---|---|
| **सामुदायिक रेडियो का नाम** | सामुदायिक रेडियो कृषि विज्ञान केन्द्र, बाढ़, पटना |
| **आवृति** | 91.2 मेगा हर्ट्ज |
| **स्थापना तिथि** | 31 मई 2011 |
| **प्रतिदिन प्रसारण (घंटा)** | 07 |
| **प्रभावी क्षेत्रफल** | 20 किलोमीटर (ऐरियल) |

(8) प्रसारित होने वाले कार्यक्रम :

| क्र• सं• | संचालित कार्यक्रम | प्रसारण अवधि (मिनट) | प्रसारण समय |
|---|---|---|---|
| 1. | कृषक मंच | 60 | सुबह |
| 2. | महिला जगत | 60 | |
| 3. | **स्वास्थ्य सही – लाभ कई** | 30 | |
| 4. | बालमंच | 30 | |
| 5. | लोकरंग | 30 | |
| 6. | कृषक मंच | 60 | दोपहर |
| 7. | **संतुलित उर्वरक और स्वास्थ्य मिट्टी** | 30 | संध्या |
| 8. | स्वास्थ्य चर्चा | 60 | |
| 9. | महिला जगत | 30 | |
| 10. | लोकरंग, स्वास्थ्य बाण | 30 | |

(9) प्रसार गतिविधियाँ :

| क्र• सं• | कार्यक्रम | संख्या | लाभार्थियों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | कृषक सलाह सेवा/ हेल्पलाईन सेवा | 117 | 1978 |
| 2. | किसानों का केन्द्र पर भ्रमण | 115 | 7545 |
| 3. | वैज्ञानिकों का प्रक्षेत्र भ्रमण | 66 | 601 |
| 4. | किसान गोष्ठी | 06 | 120 |
| 5. | प्रक्षेत्र दिवस | 15 | 252 |
| 6. | किसान मेला | 01 | 1208 |
| 7. | किसान मेला मे भागीदारी | 03 | 566 |
| 8. | निदान सेवा | 15 | 88 |
| 9. | विकसित भारत संकल्प यात्रा | 160 | 99435 |
| 10. | साधन सेवी के रूप में व्याख्यान | 24 | 1442 |
| 11. | एक्सपोजर विजिट | 07 | 851 |
| 12. | स्वास्थ्य शिविर | 02 | 74 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 13. | स्वच्छता ही सेवा | 06 | 139 |
| 14. | हर घर तिरंगा | 01 | 238 |
| 15. | पशु स्वास्थ्य शिविर | 02 | 59 |

## (10) अन्य प्रसार गतिविधियाँ

| कार्यक्रम | संख्या |
|---|---|
| समाचार पत्रों में प्रकाशन | 175 |
| रेडियों वार्ता | 05 |
| टी•भी• वार्ता | 03 |

| क्र•सं• | प्रकाशन का नाम | प्रकाशक | संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | कृषक संदेश (अक्टूबर 2023) | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 2000 |
| 2. | कृषक समाचार (त्रैमासिक) | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 3000 |
| 3. | कृषि ड्रोन : ग्रामीण क्षेत्रो के लिए लाभ और चुनौतियाँ | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 5000 |
| 4. | प्राकृतिक खेती (मार्गदर्शिका) | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 5000 |
| 5. | जलवायु परिवर्तन (कारण, प्रभाव, नकारात्मक प्रभाव से तत्कालिक बचाव उपाय की रणनीति, एवं जलवायु परिवर्तन से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य) लीफलेट | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 5000 |
| 6. | मोटे अनाजः कुपोषण और जलवायु परिवर्त्तन की चुनौतियो से निपटने के लिए अनुकूल। | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 5000 |
| 7. | प्राकृतिक खेती | कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना | 5000 |

**11.** जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम :

(क) जलवायु अनुकूल कृषि की उपलब्धियाँ (खरीफ 2023)

| फसल/तकनीक | लक्ष्य | | उपलब्धि | | उपज (क्वि•/हे•) | | उपज में वृद्धि | प्रत्यक्षण का आर्थिक व्योरा | | | परंपरिक विधि का आर्थिक व्योरा | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | क्षेत्रफल (एकड़) | प्रत्यक्षण की सं• | क्षेत्रफल (एकड़) | प्रत्यक्षण की सं• | प्रत्यक्षण | पारंपरिक | | सकल लागत | शुद्ध लाभ | लागत व्यय अनुपात | सकल लागत | शुद्ध लाभ | लागत व्यय अनुपात |
| धान (सीधी बुआई) | 325 | 325 | 98 | 98 | 46.00 | 39.82 | 15.72 | 38200 | 58403 | 2.52 | 45400 | 38227 | 1.84 |
| धान (पंक्ति में रोपाई) | | | 227 | 227 | 50.5 | 43.7 | 16.2 | 45733 | 60326 | 2.31 | 46266 | 45479 | 1.98 |
| धान (कतार में रोपाई एवं वैकल्पिक गीला एवं सूखा ) | 80 | 80 | | 80 | 51.4 | 41.4 | 25 | 45000 | 62881 | 2.39 | 45866 | 41014 | 1.88 |
| धान (मेड़बंदी) | 40 | 40 | 40 | 40 | 51.6 | 44.1 | 17.0 | 46400 | 61964 | 2.33 | 45933 | 46506 | 2.01 |
| धान (कतार में रोपाई एवं पोषक विशेषज्ञ ) | 55 | 55 | 55 | 77 | 50.5 | 43.6 | 16.9 | 46133 | 60002 | 2.29 | 47400 | 44133 | 1.9 |
| धान (सामुदायिक सिंचाई) | 25 | 25 | 25 | 25 | 50.81 | 44.53 | 14.88 | 46400 | 60299 | 2.29 | 46600 | 46930 | 2.00 |
| सोयाबीन (रेज्ड बेड) | 60 | 60 | 60 | 60 | 11.79 | . | . | 30400 | 40340 | 2.33 | . | . | . |
| मडुआ (कतार में रोपाई) | 10 | 10 | 10 | 10 | 14.02 | . | . | 26500 | 8553 | 1.32 | . | . | . |
| **कुल** | **595** | | **595** | | | | | | | | | | |

(ख) जलवायु अनुकूल कृषि की उपलब्धियाँ (रबी 2023–24)

| फसल/तकनीक | लक्ष्य | | उपलब्धि | | उपज (क्वि•/हे•) | | उपज में वृद्धि | प्रत्यक्षण का आर्थिक व्योरा | | | | पारंपरिक विधि का आर्थिक व्योरा | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | क्षेत्रफल (एकड़) | प्रत्यक्षण की सं• | क्षेत्रफल (एकड़) | प्रत्यक्षण की सं• | प्रत्यक्षण | पारंपरिक | | सकल लागत | सकल लाभ | शुद्ध लाभ | लागत व्यय अनुपात | सकल लागत | सकल लाभ | शुद्ध लाभ | लागत व्यय अनुपात |
| गेहूँ (डी•बी•डब्लू•–187) शून्य जुताई | 397.5 | 400 | 397.5 | 410 | 49.29 | 40.13 | 18.58 | 33287.75 | 104735.91 | 71448.16 | 2.15 | 35794.82 | 85274.30 | 49479.48 | 1.38 |
| गेहूँ (एच.डी–2967) | 47.5 | 50 | 47.5 | 48 | 39.11 | 33.62 | 14.04 | 27882.08 | 83112.73 | 55230.65 | 1.98 | 29782.50 | 71447.81 | 41665.31 | 1.40 |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शून्य जुताई | | | | | | | | | | | | | | | |
| चना (पी•जी•–सबौर चना 1) शून्य जुताई | 25 | 50 | 25 | 47 | 15.76 | 13.84 | 12.18 | 26575.71 | 84076.55 | 57500.84 | 2.16 | 26691.43 | 69198.57 | 42507.14 | 1.59 |
| मसूर (आई•पी•एल•–316) शून्य जुताई | 25 | 25 | 25 | 39 | 14.99 | 13.73 | 8.40 | 26300.00 | 89942.22 | 63642.22 | 2.42 | 27888.89 | 82386.67 | 54497.78 | 1.95 |
| खेसारी (रतन) शून्य जुताई | 05 | 10 | 05 | 15 | 8.83 | 7.29 | 17.46 | 16035.00 | 45926.40 | 29891.40 | 1.86 | 17020.00 | 36450.00 | 19430.00 | 1.14 |
| राई (आर.एच. 725) पंक्ति में बुआई | 98 | 98 | 98 | 105 | 17.59 | 15.67 | 10.91 | 29572.76 | 99362.65 | 69789.89 | 2.36 | 33880.95 | 88522.05 | 54641.10 | 1.61 |
| आलू (बड़ी आलू) रेज्ड बेड | 05 | 10 | 05 | 13 | 258.24 | 218.68 | 15.32 | 81861.15 | 309890.77 | 228029.62 | 2.79 | 95876.92 | 262420.62 | 166543.69 | 1.74 |
| आलू (कु. पुखराज) रेज्ड बेड | | | | 12 | 244.47 | 211.28 | 13.58 | 81413.75 | 293360.00 | 211946.25 | 2.60 | 95386.67 | 253533.00 | 158146.33 | 1.66 |
| आलू (यू.सी. मैप) रेज्ड बेड | | | | 23 | 258.42 | 229.81 | 11.07 | 81607.14 | 310100.57 | 228493.43 | 2.80 | 95088.57 | 275773.71 | 180685.14 | 1.90 |
| सामुदायिक सिंचाई | 20 | | 20 | | | | | | | | | | | | |
| **कुल** | **623** | | **623** | | | | | | | | | | | | |

## (ग) जलवायु अनुकूल कृषि की उपलब्धियाँ (खरीफ 2024)

| फसल/तकनीक | लक्ष्य | | उपलब्धि | | उपज (क्वि•/हे•) | | उपज में वृद्धि | प्रत्यक्षण का आर्थिक व्योरा | | | पारंपरिक विधि का आर्थिक व्योरा | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | क्षेत्रफल (एकड़) | प्रत्यक्षण की सं• | क्षेत्रफल (एकड़) | प्रत्यक्षण की सं• | प्रत्यक्षण | पारंपरिक | | सकल लागत | शुद्ध लाभ | लागत व्यय अनुपात | सकल लागत | शुद्ध लाभ | लागत व्यय अनुपात |
| धान (सीधी बुआई) | 50 | 50 | 50 | 50 | 41.36 | 43.16 | –4.15 | 35012 | 60936 | 1.74 | 43788 | 55477 | 1.26 |
| मक्का (मेड़ पर बुआई) | 200 | 200 | 200 | 223 | 58.60 | 48.16 | 21.89 | 43196 | 87196 | 2.02 | 46872 | 60288 | 1.29 |
| बाजरा (कतार में बुआई) | 50 | 50 | 50 | 51 | 11.4 | . | . | 19600 | 10325 | 1.52 | . | . | . |
| ज्वार (कतार में बुआई) | 130 | 130 | 130 | 132 | 150 | . | . | 25500 | 34500 | 2.35 | . | . | . |
| अरहर (मेड़ पर बुआई) | 50 | 50 | 50 | 50 | | . | . | | | | फसल खड़ी अवस्था में है। | | |

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मडुआ (कतार में रोपाई) | 45 | 45 | 45 | 46 | 15.16 | . | . | 24001 | 41033 | 1.71 | . | . | . |
| सोयाबीन (मेड़ पर बुआई) | 50 | 50 | 50 | 60 | 17.38 | . | . | 30146 | 54875 | 1.83 | . | . | . |
| समुदायिक सिंचाई | 20 | | 20 | | | | | | | | | | |
| **कुल** | **595** | | **595** | | | | | | | | | | |

## (घ) जलवायु अनुकूल कृषि की उपलब्धियाँ (ग्रीष्म 2024)

| फसल/तकनीक | लक्ष्य | | उपलब्धि | | उपज (क्वि•/हे•) | | उपज में वृद्धि (प्रतिशत) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | क्षेत्रफल (एकड़) | प्रत्यक्षण की सं• | क्षेत्रफल (एकड़) | प्रत्यक्षण की सं• | प्रत्यक्षण | पारंपरिक | |
| **मूँग (आई•पी•एम• 2–3) शून्य जुताई** | 260 | 260 | 260 | 260 | 11.35 | 7.20 | 36.56 |
| **कुल** | 260 | 260 | 260 | 260 | | | |

## (ड़) जलवायु अनुकूल कृषि की उपलब्धियाँ (रबी 2024–25)

| फसल/तकनीक | लक्ष्य | | उपलब्धि | | अभ्युक्ति |
|---|---|---|---|---|---|
| | क्षेत्रफल (एकड़) | प्रत्यक्षण की सं• | क्षेत्रफल (एकड़) | प्रत्यक्षण की सं• | |
| गेहूँ (एच.डी–2967) शून्य जुताई | 100 | 100 | 100 | 138 | फसल खड़ी अवस्था में है। |
| मक्का (बाहुबली) मेड़ पर बुआई | 100 | 100 | 100 | 135 | |
| मसूर (आई•पी•एल•–220) शून्य जुताई | 128 | 128 | 128 | 168 | |
| खेसारी (रतन) शून्य जुताई | 50 | 50 | 50 | 77 | |
| राई (आर.एच. 761) पंक्ति में बुआई | 200 | 200 | 200 | 236 | |
| आलू (कु. चिप्सोना) रेज्ड बेड | 25 | 25 | 22.1 | 92 | |
| आलू (कु. पुखराज) रेज्ड बेड | | | 3 | 13 | |
| आलू (कु. नीलकंठ) रेज्ड बेड | | | 1.9 | 9 | |
| सामुदायिक सिंचाई | 20 | | – | – | |
| **कुल** | **623** | | **623** | | |

(च) कृषि विज्ञान केन्द्र के शैक्षणिक प्रक्षेत्र में दीर्धकालीन प्रयोग की अद्यतन स्थिति :

स्थान (आक्षांश एवं देशान्तर) : 25° 27.185 85°43.241

प्रयोग प्रारंभ होने का वर्ष : 2021-22 (रबी)

मौसम : खरीफ 2024

प्लॉट का आकार : 900 $m^2$

| क्र•सं• | फसल प्रणाली | तकनीक | बुआई तिथि | फसल का नाम | प्रभेद | उत्पादकता (क्वि./हे.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | धान–आलू–बोड़ा | पंक्ति मे रोपाई | 14.07.2024 | धान | रा• श्वेता | 49.44 |
| 2. | धान–आलू–मूंग | सीधी बुआई | 18.06.2024 | धान | रा• श्वेता | 44.00 |
| 3. | धान–मसूर–प्याज | ड्रम सीडर से बुआई | 17.07.2024 | धान | रा• श्वेता | 43.44 |
| 4. | मक्का–गेहूँ– मूंग | पंक्ति मे रोपाई | 31.07.2024 | धान | रा• श्वेता | 48.22 |
| 5. | धान–राई–चीना | पंक्ति मे रोपाई | 18.07.2024 | धान | रा• श्वेता | 49.11 |
| 6. | मडुआ–चना–मूंग | पंक्ति मे रोपाई | 11.06.2024 | मडुआ | ए. 404 | 08.33 |
| 7. | धान–खेसाड़ी–मूंग | सीधी बुआई | 18.06.2024 | धान | रा• श्वेता | 44.55 |
| 8. | धान–मटर–तिल | सीधी बुआई | 25.07.2024 | धान | रा• श्वेता | 45.44 |
| 9. | धान–गेहूँ–ढ़ैंचा | पंक्ति मे रोपाई | 11.07.2024 | धान | रा• श्वेता | 48.55 |
| 10. | धान–गेहूँ–मूंग | परंपरागत रोपाई | 10.07.2024 | धान | रा• श्वेता | 41.89 |

## 12. अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण :– 2023–2024

### (क) अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण कार्यक्रम

| फसल | प्रभेद | प्रदर्शित तकनीक का नाम | किसानों की सं• | क्षेत्रफल (हे•) | उपज (क्वि•/हे•) | | उपज में परिवर्तन (%) | प्रत्यक्षण का आर्थिक विशलेषण (रू•/हे•) | | | | पारंपरिक का आर्थिक विशलेषण (रू•/हे•) | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | प्रत्यक्षण | पारंपरिक | | सकल लागत | सकल लाभ | शुद्ध आय | BCR | सकल लागत | सकल लाभ | शुद्ध आय | BCR |
| बार्ली | डी.डब्लू.आर. बी. 137 | कतार में बुआई | 07 | 02 | 43.47 | 35.56 | 22.47 | 32466.7 | 80413.7 | 47946.7 | 1.47 | 32483.3 | 65798.3 | 33315 | 1.02 |
| बाजरा | एम.पी.एम. एच. 21 | कतार में बुआई | 27 | 5.0 | 12.14 | – | – | 17048.2 | 43425.9 | 26377.8 | 2.55 | – | – | – | – |
| ज्वार | सी.एस.भी 41 | कतार में बुआई | 24 | 1.75 | 17.83 | – | – | 17160.9 | 39236.5 | 22075.7 | 2.29 | – | – | – | – |
| कंगनी | एस.आई.ए. 3156 | कतार में बुआई | 28 | 1.4 | 9.38 | – | – | 17166.7 | 26268.2 | 9101.5 | 1.53 | – | – | – | – |
| कोदो | जे.के. 41 | कतार में बुआई | 08 | 1.3 | 9.80 | – | – | 17142.9 | 24500.0 | 7357.1 | 1.43 | – | – | – | – |
| मडुआ | ए. 404 | कतार में बुआई | 05 | 2.0 | 17.28 | – | – | 21800.0 | 44915.0 | 23115.0 | 2.06 | – | – | – | – |
| सावाँ | बी.एच.बी. एम. 93–2 | कतार में बुआई | 04 | 0.8 | 11.40 | – | – | 16600.0 | 29640.0 | 13040.0 | 1.78 | – | – | – | – |
| कुटकी | ओ.एल.एम. 203 | कतार में बुआई | 07 | 3.5 | 9.65 | – | – | 17316.7 | 27020.0 | 9703.3 | 1.56 | – | – | – | – |
| प्याज | एन•आर•डी• एफ• रेड–3 | प्रभेद | 23 | 01 | 308.86 | 283.14 | 9.18 | 82213.0 | 370643.0 | 288430.4 | 4.50 | 77965.2 | 283147.8 | 205182.6 | 3.63 |
| कद्दू | पूसा मौसमी | प्रभेद | 30 | 01 | 152.82 | 130.78 | – | 61270.0 | 183380.0 | 122110.0 | 2.99 | 66333.0 | 156936.0 | 90602.7 | 2.37 |
| फूलगोभी | सबौर अग्रिम | प्रभेद | 10 | 01 | 177.37 | 151.35 | – | 80525.0 | 354740.0 | 274212.0 | 4.40 | 88930.0 | 302700.0 | 213770.0 | 3.41 |
| न्यूट्री किट | ग्रीष्म कालीन | प्रभेद | 60 | $100m^2$ /न्यूट्री गार्डेन | 1.48 | – | – | 614.10 | 2216.0 | 1602.0 | 3.61 | – | – | – | – |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| न्यूट्री किट | खरीफ | प्रभेद | 60 | $100m^2$ /न्यूट्री गार्डन | 1.31 | – | – | 576.29 | 1958.0 | 1381.0 | 3.52 | – | – | – | – |

(ख) संकुल अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण : 2023–24

| फसल | किसानों की सं• | क्षेत्रफल (हे•) | उपज (क्वि•/हे•) | | उपज में परिवर्तन (%) | प्रत्यक्षण का आर्थिक विशलेषण (रू•/हे•) | | | | पारंपरिक का आर्थिक विशलेषण (रू•/हे•) | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | प्रत्यक्षण | पारंपरिक | | सकल लागत | सकल लाभ | शुद्ध आय | BCR | सकल लागत | सकल लाभ | शुद्ध आय | BCR |
| राई (आर.एच. 725) | 175 | 70 | 17.19 | 14.97 | 15.09 | 31106 | 97175 | 66069 | 2.12 | 30041 | 84599 | 54558 | 1.82 |
| मसुर (आई.पी.एल 316) | 60 | 24 | 15.83 | 13.70 | 15.88 | 30545 | 106729 | 76184 | 2.49 | 28046 | 93054 | 65008 | 2.32 |

(ग) संकुल अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण : 2024–25 (जो संचालित है।)

| फसल | किसानों की सं• | क्षेत्रफल (हे•) | उपज (क्वि•/हे•) | | उपज में परिवर्तन (%) | प्रत्यक्षण का आर्थिक विशलेषण (रू•/हे•) | | | | पारंपरिक का आर्थिक विशलेषण (रू•/हे•) | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | प्रत्यक्षण | पारंपरिक | | सकल लागत | सकल लाभ | शुद्ध आय | BCR | सकल लागत | सकल लाभ | शुद्ध आय | BCR |
| राई (आर.एच. 725) | 758 | 300 | परिणाम प्रक्रियाधीन | | | | | | | | | | |

13. (क) अनुसूचित जाति उपयोजना अन्तर्गत क्षमता संबर्द्धन।

| वर्ष | प्रशिक्षणों की सं• | प्रशिक्षार्थियों की सं• | | |
|---|---|---|---|---|
| | | पुरूष | महिला | कुल |
| 2023–24 | 06 | 45 | 180 | 225 |
| 2024–25 | 17 | 181 | 343 | 524 |
| **कुल** | **23** | **226** | **523** | **749** |

(ख) अनुसूचित जाति उप योजना अन्तर्गत प्रत्यक्षण।

| सामग्री | प्रभेद | सं• | गाँव/प्रखंड | लाभार्थियों की सं• |
|---|---|---|---|---|
| मशरूम बीज 2023–24 | ऑयस्टर | 72 कि.ग्रा. | फुलेलपुर, अथमलगोला | 36 |
| मुर्गी चूजा 2023–24 | कड़कनाथ<br>सोनाली<br>ग्रामप्रिया | 840<br>864<br>250 | इन्द्रा नगर, मोकामा<br>कमरापर, अथमलगोला<br>अगवानपुर, बाढ़, | 21<br>24<br>25 |
| मशरूम बीज 2024–25 | ऑयस्टर | 36 कि.ग्रा. | अगवानपुर, बिहारी बिगहा, सरिस्तापुर, चिन्तामनचक | 36 |
| मुर्गी चूजा 2024–25 | वनराजा | 2180 | अगवानपुर, बिहारी बिगहा, फुलेलपुर, चिन्तामनचक, कमरापर | 61 |
| हैचरी यूनिट | – | 07 | कमरापर, बिहारी बिगहा, चिन्तामनचक | 07 |
| पशु दवा | पशु स्वास्थ्य शिविर | 145 | बहरावां, चिन्तामनचक, चंदा | 145 |
| हैगिंग पोल्ट्री ड्रिंकर एवं फीडर | – | 40 | अगवानपुर, बिहारी बिगहा, फुलेलपुर, चिन्तामनचक, कमरापर, शहरी | 20 |

## 14. प्राकृतिक खेती

| क्र•सं• | कार्यक्रम | भौतिक उपलब्धि | |
|---|---|---|---|
| | | संख्या | लाभार्थियों की सं. |
| 1 | जागरूकता कार्यक्रम | 18 | 10623 |
| 2 | प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम | 01 | 825 |
| 3 | प्रशिक्षण कार्यक्रम | 15 | 1476 |
| 4 | प्रत्यक्षण | 20 | 20 |
| **कुल** | | **54** | **12944** |

## 15. कुपोषण उन्मूलन कार्यक्रम :

क. अंगीकृत गाँव का विवरण :

| क्र•सं• | विवरण | |
|---|---|---|
| 1 | गाँव का नाम | अगवानपुर |
| 2 | प्रखंड | बाढ़ |
| 3 | कुल क्षेत्रफल | 159 हेक्टेयर |
| 4 | कुल जनसंख्या | 3916 |
| 5 | साक्षारता दर (प्रतिशत में) | 55.03 |
| 6 | घरों की संख्या | 633 |
| 7 | अनुसूचित जाति की संख्या | 821 |
| 8 | कृषि विज्ञान केन्द्र से दूरी | 1 किलोमीटर |
| 9 | मुख्य फसल | धान एवं गेहूँ |
| 10 | पशुधन | 45 |

### ख. कुपोषण उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत गतिविधियाँ :

| क्र•सं• | गतिविधियाँ | संख्या | प्रतिभागियों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | जागरूकता कार्यक्रम | 02 | 69 |
| 2 | प्रशिक्षण कार्यक्रम | 15 | 370 |
| 3 | प्रत्यक्षण (न्यूट्री किट, मशरूम बीज, चूजा, नींबु एवं अमरूद का पौधा, पपीता का पौधा, सब्जियों का बिचड़ा) | 11 | 283 |
| 4 | पोषण वाटिका स्थापना | 30 | 47 |
| 5 | स्वास्थ शिविर | 03 | 126 |
| 6 | वर्धित मूल्य उत्पाद प्रतियोगिता | 01 | 15 |

**16. (क) ऑन फार्म ट्रायलः अगस्त–2023 से फरवरी 2025 तक :**

**निम्नलिखित ऑन फार्म ट्रायल सम्पन्न हो चुका है :**

**कृषि अभियंत्रण : 01**

**शीर्षक** : फसल अवशेष प्रबंधन अंतर्गत हैप्पी सीडर से गेहूँ की बुआई का मूल्यांकन।

**तकनीकी श्रोत** : पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, बीसा, पूसा

**समस्या** : कंबाईन हार्बेस्टर से कटे हुए धान की खेत में फसल अवशेष को हटाकर गेहूँ की बुआई में अधिक लागत।

**मूल्यांकित तकनीक**

1. किसान विधि –गेहूँ की परंपरागत छिटकाव विधि से बुआई (जुताई किये हुए खेत में)
2. तकनीक विकल्प– I हैप्पी सीडर से गेहूँ की बुआई (फसल अवशेष के साथ)
3. तकनीक विकल्प–II खेत से मजदूरों द्वारा फसल अवशेष हटाकर शून्य जुताई यंत्र से गेहूँ की बुआई।

**तालिका संख्या : 1**

| क्र•सं• | तकनीकी विकल्प | बीज दर (कि. ग्रा•/ह•.) | पौधों की संख्या (वर्ग मीटर) | सिंचाई की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1 | छिटकाव विधि (जुताई किये खेत में) | 120 | 229 | 3 |
| 2 | हैप्पी सीडर से गेहूँ की बुआई (फसल अवशेष के साथ) | 100 | 251 | 3 |
| 3 | खेत से मजदूरों द्वारा फसल अवशेष हटाकर शून्य जुताई यंत्र से गेहूँ की बुआई। | 100 | 243 | 3 |

**तालिका संख्या : 2 (आर्थिक विश्लेषण)**

| तकनीकी विकल्प | अनाज (क्वि•/हे•) | भूसा (क्वि•/हे•) | फसल सूचकांक (%) | सकल लागत (रू•/हे•) | सकल आमदनी (रू•/हे•) | शुद्ध लाभ (रू•/हे•) | लाभ : लागत अनुपात |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| छिटकाव विधि (जुताई किये खेत में) | 35.42 | 45.93 | 43.54 | 44189 | 84457 | 40268 | 0.91 |
| हैप्पी सीडर से गेहूँ की बुआई (फसल अवशेष के साथ) | 48.78 | 59.41 | 45.09 | 35343 | 115539 | 80196 | 2.27 |
| खेत से मजदूरों द्वारा फसल अवशेष हटाकर शून्य जुताई यंत्र से गेहूँ की बुआई। | 45.74 | 57.43 | 44.34 | 36340 | 108684 | 72344 | 1.99 |

**परिणाम** – परीक्षण से यह ज्ञात होता है कि छिटकाव विधि में गेहूँ उत्पादन में लागत (रू• 44189) अन्य विधियों की तुलना में अधिक है। हैप्पी सीडर से गेहूँ की बुआई में लागत 35343 रूपया है एवं शुद्ध लाभ 80196 रूपया/ हे. है। साथ ही साथ लागत व्यय अनुपात 2.27 है जो अन्य विधियों की तुलना में अधिक है। अतः यह निष्कर्ष है कि

कम्बाइन से कटे हुए धान के खेत में हैप्पी सीडर द्वारा गेहूँ की बुआइ करने पर शुद्ध लाभ अधिक है। साथ ही साथ फसल अवशेष का उचित प्रबंधन संभव है।

## कृषि अभियंत्रण : 02

**शीर्षक :** विभिन्न खेत की परिस्थति में बहुफसली प्लांटर से दलहन (मसूर) की बुआई का मूल्यांकन।

**समस्या :** दलहनी फसलों की बुआई मुख्य रूप से छिटकाव विधि से किया जाता है जिसमें अंकुरण, पौधों का गलना एवं प्रति वर्ग मीटर अधिक बीज छिड़काव से अधिक लागत एवं कम उत्पादकता प्राप्त होती है। साथ ही साथ बुआई में समय अधिक लगता है।

**तकनीकी श्रोत :** पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, बीसा, पूसा

**मूल्यांकित तकनीक**

1. किसान विधि – मसूर की परंपरागत छिटकाव विधि से बुआई (जुताई किये हुए खेत में)
2. तकनीकी विकल्प– I जुताई किये हुए खेत में बहुफसली प्लांटर से मसूर की बुआई।
3. तकनीकी विकल्प–II बिना जुताई किये हुए खेत में बहुफसली प्लांटर से मसूर की बुआई।

**तालिका संख्या : 1**

| क्र•सं• | तकनीकी विकल्प | बीज दर (कि•ग्रा•/हे•) | पौधों की संख्या (प्रतिवर्ग मीटर) |
|---|---|---|---|
| 1 | मसूर की परंपरागत छिटकाव विधि से बुआई (जुताई किये हुए खेत में) | 40 | 74 |
| 2 | जुताई किये हुए खेत में बहुफसली प्लांटर से मसूर की बुआई। | 30 | 85 |
| 3 | बिना जुताई किये हुए खेत में बहुफसली प्लांटर से मसूर की बुआई। | 30 | 85 |

**तालिका संख्या : 2 (आर्थिक विश्लेषण)**

| तकनीकी विकल्प | अनाज क्वि•/ह•. | भूसा क्वि•/हे• | फसल सूचकांक % | सकल लागत रू•/हे• | सकल आमदनी रू•/हे• | शुद्ध लाभ रू•/हे• | लाभ : लागत अनुपात |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मसूर की परंपरागत छिटकाव विधि से बुआई (जुताई किये हुए खेत में) | 13.49 | 24.76 | 27.96 | 34298 | 89656 | 55358 | 1.61 |
| जुताई किये हुए खेत में बहुफसली प्लांटर से मसूर की बुआई। | 16.28 | 39.76 | 28.80 | 30223 | 107773 | 77550 | 2.57 |
| बिना जुताई किये हुए खेत में बहुफसली प्लांटर से मसूर की बुआई। | 16.48 | 40.27 | 29.30 | 29030 | 108811 | 79781 | 2.75 |

**परिणाम –** परीक्षण से यह ज्ञात होता है कि छिटकाव विधि में मसूर उत्पादन में लागत (रू• 34298/हे.) है। जो अन्य विधियों की तुलना में अधिक है। जुते हुए खेत में बहुफसली प्लांटर से लागत 30223 रूपया है और बिना जुते हुए खेत में मशीन द्वारा बुआई की लागत 29030 रूपया है। एवं शुद्ध लाभ क्रमशः 77550 एवं 79781 रूपया/हे. है। अतः छिटकाव विधि की तुलना में मशीन द्वारा बुआई करना लाभप्रद है एवं समय पर बुआई संभव है।

## मृदा विज्ञान : 03

**शीर्षक :** धान की खेती में नत्रजन उपयोग दक्षता का मूल्यांकन।

**समस्या :** रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक प्रयोग एवं बढ़ते यूरिया का मूल्य के कारण उत्पादन लागत में वृद्धि

**मूल्यांकित तकनीक**

1. **किसान विधि –** अनुशंसित उर्वरक(नत्रजन : फासफोरसःपोटाशः100:40:20 कि•ग्रा•/हे•)
2. **तकनीकी विकल्प – I** अनुशंसित नाइट्रोजन का 50 प्रतिशत एवं 100 प्रतिशत फास्फोरस एवं पोटाश+ नैनो यूरिया 4 मि.ली•/लीटर पानी (पुष्पण पूर्व की अवस्था में एक पर्णीय छिड़काव)
3. **तकनीकी विकल्प–II** अनुशंसित नाइट्रोजन का 50 प्रतिशत एवं 100 प्रतिशत फास्फोरस एवं पोटाश+ नैनो यूरिया 4 मि.ली./लीटर पानी का दो पर्णीय छिड़काव (25–30 दिन एवं 60–65 दिन पर)

धान पटना जिले का मुख्य फसल है जो लगभग 135000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में उगायी जाती है और उसकी औसत उत्पादकता 31.72 क्विंटल/हे. है, जो पंजाब और हरियाणा की तुलना में बहुत ही कम है। बिहार में इसके उत्पादन की अधिक संभावना है, चूंकि यहाँ सिंचाई जल और उर्वर मिट्टी की उपलब्धता है। उर्वरकों के अधिक प्रयोग की समस्या एवं किसानों की लाभप्रदता बढ़ाने हेतु खरीफ 2023 में 7 किसानों के खेत पर परीक्षण किया गया।

**प्रयोग के परिणाम निम्न तालिका में वर्णित है–**

| तकनीकी विकल्प | प्रयोग की सं• | अनाज उपज क्विं•/हे• | पुआल उपज क्विं•/हे• | प्रतिशत उपज ह्रास | सकल लागत रु•/हे• | सकल आमदनी रु•/हे• | शुद्ध लाभ रु•/हे• | लाभ : लागत अनुपात |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **किसान विधि –** अनुशंसित उर्वरक (नत्रजन : फासफोरसः पोटाशः 100:40:20 कि. ग्रा•/हे•) | 7 | 48.43 | 58.12 | – | 43600.0 | 107124.5 | 63524.5 | 2.46 |
| अनुशंसित नाइट्रोजन का 50 प्रतिशत एवं 100 प्रतिशत फास्फोरस एवं पोटाश+ नैनो यूरिया 4 मि.ली./लीटर पानी (पुष्पण पूर्व की अवस्था में एक पर्णीय छिड़काव) | | 42.25 | 50.7 | 14.62 | 42400.0 | 93837.5 | 51437.5 | 2.21 |
| अनुशंसित नाइट्रोजन का 50 प्रतिशत एवं 100 प्रतिशत फास्फोरस एवं पोटाश+ नैनो यूरिया 4 मि.ली./लीटर पानी का दो पर्णीय छिड़काव (25–30 दिन एवं 60–65 दिन पर) | | 44.45 | 53.34 | 8.95 | 42700.0 | 98567.5 | 55867.5 | 2.31 |

**परीक्षण पूर्व मृदा में पोषक तत्व की स्थिति :** पी.एच–7.6, विद्युत चालकता–0.08, जैविक कार्बन प्रतिशत–0.68, उपलब्ध नत्रजन–275.3, उपलब्ध फास्फोरस–10.6, उपलब्ध पोटाश–158.2, डी.टी.पी.ए. निष्कर्षण योग्य लौह–11.4 पी•पी•एम•, मैग्नीज– 13.2 पी•पी•एम•, जस्ता– 0.32 पी•पी•एम•, तांबा–0.25 पी•पी•एम•

**परीक्षण पश्चात मृदा में पोषक तत्व की स्थिति :** पी•एच•–7.4, विद्युत चालकता– 0.08, जैविक कार्बन प्रतिशत–0.69, उपलब्ध नत्रजन –285.6, उपलब्ध फास्फोरस –12.7, उपलब्ध पोटाश –154.6, डी.टी.पी.ए. निष्कर्षण योग्य लौह –11.04 पी•पी•एम•, मैग्नीज–13.5 पी•पी•एम•, जस्ता–0.42 पी•पी•एम•, तांबा–0.25 पी•पी•एम•.

**परिणाम –** परीक्षण से यह ज्ञात होता है कि 50 प्रतिशत नत्रजन के साथ नैनो यूरिया का एक या दो पर्णीय छिड़काव, अनुशंसित उर्वरक प्रयोग के द्वारा प्राप्त उपज के स्तर तक बढ़ाने में सक्षम नहीं है। यह भी पाया गया कि

तकनीकी विकल्प 1 में उपज में ह्रास 14.62 प्रतिशत एवं तकनीकी विकल्प 2 में 8.95 प्रतिशत क्रमशः पायी गयी है। इसलिए यह अनुशंसा की जाती है कि नैनो यूरिया का बड़े स्तर पर किसानों के लिए अनुशंसा करने के पहले प्रयोगिक स्थल पर इसका परीक्षण आवश्यक है।

## मृदा विज्ञान : 04

**शीर्षक :** मसूर के उपज पर उर्वरकों के विभिन्न रुपों के समन्वय का प्रभाव
**समस्या :** रासायनिक उर्वरकों का अविवेकपूर्ण प्रयोग
**मूल्यांकित तकनीक**

1. **किसान विधि** –अनुशंसित उर्वरक(नत्रजन : फासफोरस : पोटाश :: 100:40:20 कि.ग्रा./हे.)
2. **तकनीकी विकल्प– I** अनुशंसित नाइट्रोजन का 50 प्रतिशत एवं 100 प्रतिशत फास्फोरस एवं पोटाश+ नैनो यूरिया 4 मि.ली•/लीटर पानी (पुष्पण पूर्व की अवस्था में एक पर्णीय छिड़काव)
3. **तकनीकी विकल्प–II** अनुशंसित नाइट्रोजन का 50 प्रतिशत एवं 100 प्रतिशत फास्फोरस एवं पोटाश+ नैनो यूरिया 4 मि.ली•/लीटर पानी का दो पर्णीय छिड़काव (25–30 दिन एवं 60–65 दिन पर)

| तकनीकी विकल्प | पौधों की सं• (वर्ग मीटर) | शाखा की सं•/पौधा | फली की सं./शाखा | फली की सं•/पौधा | बीज की सं•/फली | परीक्षण भार (ग्राम) | अनाज उपज (क्विं•/हे•) | भूसा उपज (क्विं/हे) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| किसान विधि | 30.24 | 7.60 | 6.28 | 73.13 | 1.43 | 29.22 | 11.67 | 17.50 |
| तकनीकी विकल्प– I | 28.75 | 9.70 | 7.7 | 75.3 | 1.6 | 29.4 | 13.10 | 19.7 |
| तकनीकी विकल्प– II | 28.17 | 11.78 | 8.7 | 85.5 | 1.8 | 29.6 | 16.90 | 25.4 |

**तालिका संख्या : 2 (आर्थिक विश्लेषण)**

| तकनीकी विकल्प | सकल लागत रू•/हे• | सकल लाभ रू•/हे• | शुद्ध लाभ रू• | लाभ : लागत अनुपात |
|---|---|---|---|---|
| बीज उपचार (राईजोबियम 5 मि.ली/कि.ग्रा. बीज) +अनुशंसित उर्वरक (20:40:20: नत्रजनःफासफोरसःपोटाश कि•ग्रा•/हे•) | 26400.0 | 72556.2 | 46156.2 | 1.74 |
| 50 प्रतिशत अनुशंसित उर्वरक+घुलनशील एन.पी.के (19:19:19) @ 5 ग्राम/लीटर पानी (पुष्पण पूर्व अवस्था में एक पर्णीय छिड़काव) | 27200.0 | 81575.0 | 54375.0 | 1.99 |
| राईजोबियम एवं फास्फोरस घुलनशील बैक्टीरीया @ 5 मि.ली. /कि.ग्रा. से बीज उपचार एवं तकनीकी विकल्प **I** | 28500.0 | 95793.0 | 67293.7 | 2.36 |

**परीक्षण पूर्व मृदा में पोषक तत्व की स्थिति :** पी.एच–7.3, विद्युत चालकता–0.06, जैविक कार्बन %–0.58, उपलब्ध नत्रजन–245.3, उपलब्ध फास्फोरस–12.6, उपलब्ध पोटाश–148.2, डी.टी.पी.ए. निष्कर्षण योग्य लौह–10.4 पी•पी•एम•, मैग्नीज–11.2 पी•पी•एम•, जस्ता–0.42 पी•पी•एम•, तांबा–0.29 पी•पी•एम•

**परीक्षण पश्चात मृदा में पोषक तत्व की स्थिति :** पी.एच–7.4, विद्युत चालकता–0.06, जैविक कार्बन %–0.64, उपलब्ध नत्रजन–325.6, उपलब्ध फास्फोरस–14.7, उपलब्ध पोटाश–158.6, डी.टी.पी.ए. निष्कर्षण योग्य लौह–10.04 पी•पी•एम•, मैग्नीज–12.5 पी•पी•एम•, जस्ता–0.38 पी•पी•एम•, तांबा–0.24 पी•पी•एम•

**परिणाम** – परीक्षण से यह ज्ञात होता है कि राईजोबियम एवं पी.एस.बी कल्चर से बीज उपचार एवं एन.पी.के 19:19:19 के दो पर्णीय छिड़काव से उच्चतम अनाज उत्पादन (16.9 क्विं/हे) प्राप्त हुआ जबकि 50 प्रतिशत अनुशंसित

उर्वरक का प्रयोग + जलीय घुलनशील एन.पी.के. 19:19:19 @ 5 ग्राम/लीटर पानी का एक पर्णीय छिड़काव से 12.9 क्विं/हे. उत्पादन प्राप्त हुआ। तकनीकी विकल्प II में लाभ लागत अनुपात 2.89 रहा जबकि तकनीकी विकल्प I में लाभ लागत अनुपात 1.99 रहा।

## मृदा विज्ञान : 05 (2024–25)

**शीर्षक :–** धान में नेत्रजन की उपयोग दक्षता को बढाना

**समस्या :** धान की खेती में अत्यधिक रासायनिक उर्वरक का प्रयोग एवं बढते कीमत के कारण उत्पादन लागत में वृद्वि

**तकनीकीयों का विवरण जो मूल्यांकन हेतु लिया गया –**

**कृषक विधा :–** अनुशंसित उर्वरक प्रयोग : (नेत्रजन : स्फूर : पोटाश :: 100 :40 : 20 किलोगाम प्रति हे०)

**तकनीकी विकल्प 1 :** 50 प्रतिशत अनुशंसित नेत्रजन एवं 100 प्रतिशत स्फूर एवं पोटाश. नैनो यूरिया / 4 मि. ली. प्रति लीटर पानी ( पुष्पण पूर्व अवस्था में एक छिड़काव )

**तकनीकी विकल्प 2 :** 50 प्रतिशत अनुशंसित नेत्रजन एवं 100 प्रतिशत स्फूर एवं पोटाश. नैनो यूरिया / 4 मि. ली. प्रति लीटर पानी का रोपाई के 25 –30 दिन बाद एक छिड़काव एवं 60–65 दिन बाद दूसरा छिड़काव

**तकनीकी स्रोत :** आन फार्म ट्रायल कार्यशाला (बी. ए. यू. सबौर, भागलपुर)

**उत्पादन प्रणाली एवं विषयगत क्षेत्र :** धान – गेहूँ फसल प्रणाली एवं समेकित पोषक तत्व प्रबंधन

### प्रदर्शन संकेतक के साथ तकनीक का प्रदर्शन आकलन

| तकनीकी विकल्प | कल्ले की संख्याा/मी$^2$ | असरदार कल्ले की संख्या/मी$^2$ | बाली की लंबाई (से.मी.) | दानों की संख्या /बाली | 1000 दानों का भार (ग्राम) | अनाज उपज (क्विं/हे. | पुआल उपज (क्विं/हे.) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अनुशंसित उर्वरक प्रयोग : (नेत्रजन : स्फूर : पोटाश : 100 :40 : 20 किलोगाम प्रति हे०) | 249.27 | 206.89 | 18.125 | 128.87 | 22.62 | 53.57 | 81.43 |
| 50 प्रतिशत अनुशंसित नेत्रजन एवं 100 प्रतिषत स्फूर एवं पोटाष. नैनो यूरिया / 4 मि. ली. प्रति लीटर पानी (पुष्पण पूर्व अवस्था में एक छिड़काव ) | 234.00 | 194.21 | 15.25 | 117.25 | 20.62 | 41.13 | 62.52 |
| 50 प्रतिशत अनुशंसित नेत्रजन एवं 100 प्रतिशत स्फूर एवं पोटाश. नैनो यूरिया / 4 मि. ली. प्रति लीटर पानी का रोपाई के 25 –30 दिन बाद एक छिड़काव एवं 60–65 दिन बाद दूसरा छिड़काव | 243.75 | 202.31 | 16.25 | 125.87 | 21.75 | 48.49 | 73.71 |
| SEM ± | 10.96 | 7.61 | 0.20 | 4.29 | 0.32 | 1.22 | 2.82 |
| CD(p=0.05) | 23.46 | 16.28 | छै | 9.18 | छै | 2.61 | 6.03 |
| CV (%) | 18.09 | 15.13 | 5.02 | 13.84 | 5.92 | 10.23 | 15.54 |

विभिन्न नेत्रजन प्रबंधन पद्वति का आर्थिक विश्लेषण

| तकनीकी विकल्प | कुल लागत (रु/हे) | कुल आर्थिक प्राप्ति (रु/हे) | शुद्व लाभ (रु/हे) | लाभ –लागत अनुपात |
|---|---|---|---|---|
| अनुशंसित उर्वरक प्रयोग : (नेत्रजन : स्फूर : पोटाश : 100:40:20 किलोगाम प्रति हे०) | 44800 | 140848 | 96048 | 3.14 |
| 50 प्रतिशत अनुशंसित नेत्रजन एवं 100 प्रतिशत स्फूर एवं पोटाश नैनो यूरिया / 4 मि. ली. प्रति लीटर पानी (पुष्पण पूर्व अवस्था में एक छिड़काव ) | 42200 | 108150 | 65950 | 2.56 |
| 50 प्रतिशत अनुशंसित नेत्रजन एवं 100 प्रतिशत स्फूर एवं पोटाश. नैनो यूरिया / 4 मि. ली. प्रति लीटर पानी का रोपाई के 25 –30 दिन बाद एक छिड़काव एवं 60–65 दिन बाद दूसरा छिड़काव | 43400 | 127498 | 84097 | 2.93 |

**बुआई पूर्व मृदा में पोषक तत्व का स्तर**
pH- 7.1, EC- 0.06, OC%- 0.56, Av N- 285.3, Av $P_2O_5$-12.6, Av $K_2O$- 154.2, DTPA extractable Fe-12.4 ppm, Mn-11.2 ppm, Zn-0.34 ppm, Cu- 0.25ppm

**फसल कटाई उपरांत मृदा में पोषक तत्व का स्तर** :– **pH** – 7.4, E.C -0.08, Organic carbon% - 0.66, Available N- 275.6Kg/ha, Available $P_2O_5$ -11.7Kg/ha, Available $K_20$- 150.6 Kg/ha, DTPA extractable Fe-12.04 ppm, Mn-12.5 ppm, Zn-0.40 ppm, Cu- 0.22 ppm

**सूक्ष्म फसल परिस्थिति के लिए अंतिम अनुशंसा :–** नैनो यूरिया का एक या दो छिड़काव फसल के उत्पादन को अनुशंसित उर्वरक प्रयोग के स्तर तक उत्पादन को बढाने में सक्षम नहीं हैं। नैनो यूरिया का एक एवं दो छिड़काव के कारण उत्पादन में ह्रास क्रमशः 12.44 एवं 5.08 क्विं प्रति हे पायी गई। अतः इसके व्यापक अनुशंसा पूर्व इसके अनुसंधान प्रक्षेत्र पर गहन अनुसंधान की आवश्यकता है।

**किसान भागीदारी की प्रकिया** :– किसान सक्रिय रुप से प्रयोग में हिस्सा लिए एवं नैनो यूरिया के प्रभाव को लेकर असहमत दिखे।

(ख) ऑन फार्म ट्रायलः जो संचालित है।

| क्र•सं• | शीर्षक | समस्या | मूल्यांकित तकनीक | प्रत्यक्षण की सं• | अभियुक्ति |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | जुताइ किये हुए खेत में मसूर की बुआई हेतु विभिन्न बुआई यंत्रों का मुल्यांकन। | पटना जिला में मसूर की बुआई आमतौर पर छिडकाव विधि से किया जाता है। इसके कारण मसूर की उत्पादकता मे कमी एवं लागत अधिक होती है। साथ ही साथ बिलम्ब से बुआई के कारण उत्पादन कम होती है। | **किसान विधि** :– मसूर की छिड़काव विधि से बुआई एवं कल्टीवेटर से बीज को खेत में मिलाना।<br>**तकनीकी विकल्प– I** :– जुताई किये हुए खेत में मल्टीक्रॉप प्लांटर से मसूर की बुआई।<br>**तकनीकी विकल्प– II** :– जुताई किये हुए खेत में बीज बुआई यंत्र से मसूर की बुआई। | 07 | संचालित है। |
| 02 | अरहर का विभिन्न प्रकार के थ्रेसिंग विधि का मूल्यांकन। | अरहर के थ्रेसिंग में अधिक श्रम एवं समय की लागत। | **किसान विधि** :– अरहर की हाथ से थ्रेसिंग।<br>**तकनीकी विकल्प– I** :– वायर लूप थ्रेसर से पौधों से फलियों को निकालना एवं हाथ पीट कर दाना निकालना।<br>**तकनीकी विकल्प– II**:– वायर लूप थ्रेसर से पौधों से फलियों को निकालना एवं थ्रेसर से थ्रेसिंग करना। | 07 | संचालित है। |
| 03 | सरसों के बढ़वार उत्पादकता एवं आर्थिक लाभ हेतु सल्फर के प्रयोग का मूल्यांकन। | पटना जिला के 60 प्रतिशत क्षेत्रों में सल्फर की कमी पाई गयी है जिस कारण उत्पादकता प्रभावित एवं कम होती है। | **किसान विधि** :– अनुशंसित (बी•ए•यू•, सबौर भागलपुर) 80:40:40 $N:P_2O_5:K_2O$<br>**तकनीकी विकल्प– I** :– अनुशंसित (बी•ए•यू•, सबौर भागलपुर) 80:40:40 $N:P_2O_5:K_2O$ + बेन्टोनाइट सल्फर @20Kg/ha + seed dressing with Azotobacter @5ml /Kg seed (Source of technology – DRMR, Bharatpur, Rajasthan)<br>**तकनीकी विकल्प– II** :– अनुशंसित (बी•ए•यू•, सबौर भागलपुर) 80:40:40 $N:P_2O_5:K_2O$ + Bentonite sulphur @20Kg/ha + seed dressing with PSB @5ml /Kg seed (Source of technology – DRMR, Bharatpur, Rajasthan) | 08 | संचालित है। |
| 04 | आम के आम्रपाली प्रभेद | कम मंजर एवं फल का | **किसान विधि** :– प्रति पेड़ 50 किलोग्राम FYM. | 07 | संचालित है। |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | के बढ़वार एवं उत्पादन हेतु बायो फर्टिलाइजर के प्रभाव का मूल्यांकन। | लगना। | **तकनीकी विकल्प– I** :– Arka mango special spray 5gm/lit (two times) Time of foliar spray: First spray- October-November Second spray- February – March<br>**तकनीकी विकल्प– II** :–½ dose of RDF (N:P:K:: 500:250:250 gm/tree) + 50 Kg FYM + Azospirillum culture (250g/tree) Time of application : August - September | | |

17. मिट्टी जाँच : (अगस्त 2023 से फरवरी 2025 तक)

| विवरण | जाँच किये गये मिट्टी के नमूनों की संख्या | किसानों की संख्या | गाँवों की संख्या |
|---|---|---|---|
| मिट्टी जाँच (2023–24) | 406 | 406 | 17 |
| मिट्टी जाँच (2024–25) | 519 | 519 | 08 |
| **कुल** | **925** | **925** | **25** |

18. प्रक्षेत्र की उपलब्धियाँ (बीज उत्पादन) :

| क्रम सं• | फसल | प्रभेद | श्रेणी | क्षेत्रफल (हे•) | उपज (क्वि) |
|---|---|---|---|---|---|
| **खरीफ (2023–24)** | | | | | |
| 1. | धान | सबौर संपन्न | प्रमाणित | 3.7 | 170.40 |
| 2. | धान | राजेन्द्र श्वेता | प्रमाणित | 1.7 | 66.6 |
| 3. | अरहर | आई•पी•ए• –203 | आधार | 0.7 | 4.75 |
| **रबी (2023–24)** | | | | | |
| 4. | चना | सबौर चना 1 | प्रमाणित | 2.8 | 8.9 |
| 5. | राई | आर•एच•–725 | विश्वसनीय | 1.7 | 17.20 |
| 6. | गेहूँ | एच.डी.–2967 | प्रमाणित | 3.5 | 129.80 |
| 7. | मसूर | आई•पी•एल•–316 | प्रमाणित | 4.5 | 17.02 |
| 8. | आलू | यू.सी. मैप | विश्वसनीय | 0.2 | 33.20 |
| 9. | आलू | कुफरी नीलकंठ | विश्वसनीय | 0.07 | 12.00 |
| 10. | खेसारी | रतन | विश्वसनीय | 0.1 | 1.18 |
| 11. | जौ | डी.डब्लू.आर.बी.–137 | विश्वसनीय | 0.08 | 2.70 |
| **गरमा (2023–24)** | | | | | |
| 12. | मूँग | शिखा | प्रमाणित | 5.14 | 6.0 |
| **खरीफ (2024–25)** | | | | | |
| 13. | धान | रा. श्वेता | प्रमाणित | 3.5 | 157 |
| 14. | उड़द | आई.पी.यू.–13–01 | आधार | 2.0 | अधिक वर्षा से क्षति |
| 15. | सेयाबीन | पी. 1241 | विश्वसनीय | 0.68 | 0.95 |
| 16. | रागी | A-404 | | | 7.5 |
| **रबी (2024–25)** | | | | | |
| 17. | गेहूँ | DBW-187 | आधार | 2.7 | |
| 18. | राई | RH-761 | विश्वसनीय | 2.5 | |
| 19. | मसूर | IPL-316 | प्रमाणित | 2.7 | |
| 20. | चना | सबौर चना–1 | प्रमाणित | 3.4 | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 21. | खेसारी | रतन | विश्वसनीय | 1.0 | |
| 22. | आलू | यू.सी. मैप | विश्वसनीय | 0.7 | |

(ख) केन्द्र में उत्पादित पेड़ – पौधे :

| क्र•सं• | फसल | प्रभेद | संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | अमरूद | इलाबाद सफेदा एवं ललित | 4000 |
| 2. | नीम्बू | कागजी | 1000 |
| 3. | पपीता | पुसा नन्हा | 200 |
| 4. | फूलगोभी | सबौर अग्रिम | 2500 |
| 5. | पत्तागोभी | हाईब्रिड | 2500 |
| 6. | टमाटर | पूसा रूबी | 2000 |
| 7. | बैगन | एफ–1 हाइब्रिड 704 | 2000 |

19. अन्य उपलब्धियाँ :

(क) केन्द्र को प्राप्त पुरस्कार

| केन्द्र का नाम | वित्तीय वर्ष | पुरस्कार | संस्थान / विभाग |
|---|---|---|---|
| कृषि विज्ञान केन्द्र बाढ़ | 2023–24 | कृ•वि•के• जमुई द्वारा आयोजित किसान मेला में प्रथम पुरस्कार | कृ•वि•के• जमुई |
| कृषि विज्ञान केन्द्र बाढ़ | 2023–24 | बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर द्वारा आयोजित किसान मेला 2024 में द्वितीय पुरस्कार | बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर |
| कृषि विज्ञान केन्द्र बाढ़ | 2024–25 | कृ•वि•के• पीपराकोठी, पूर्वी चम्पारण द्वारा आयोजित किसान मेला में पुरस्कार | डॉ• रा•प्र•के•कृ•वि•वि•, पूसा, समस्तीपुर |

(ख) केन्द्र के वैज्ञानिकों/कर्मियों को प्राप्त पुरस्कार

| वैज्ञानिकों एवं कर्मियों का नाम | वित्तीय वर्ष | पुरस्कार | संस्थान / विभाग |
|---|---|---|---|
| डॉ• रीता सिंह वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान | 2023–24 | चक्रीय खाता मे वृद्धि हेतु | भा•कृ•अनु•प•, अटारी पटना |
| श्री जयंत प्रसाद, सहायक | 2023–24 | लेखा कार्य प्रबंधन में उत्कृष्ठ कार्य हेतु | भा•कृ•अनु•प•, अटारी पटना |
| डॉ• रीता सिंह वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान | 2024–25 | चक्रीय खाता मे एक करोड़ से अधिक हेतु | बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर |

| | | | |
|---|---|---|---|
| डॉ• रीता सिंह वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान एवं श्री अखिलेश कुमार कार्यक्रम सहायक (संगणक) | 2024–25 | के•वि•के• पोर्टल पर क्रिया–कलापो का अधिकतम उदभारण हेतु | बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर |
| डॉ• रीता सिंह वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान एवं श्री अखिलेश कुमार कार्यक्रम सहायक (संगणक) | 2024–25 | किसान सारथी पोर्टल पर किसानों का अधिकतम निबंधन हेतु तृतीय पुरस्कार। | बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर |

## (ग) जिले पुरस्कृत किसान :

| किसान का नाम | वित्तीय वर्ष | पुरस्कार | संस्थान / विभाग | पुरस्कार का क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|
| श्री आनंद मुरारी सिंह | 2023–24 | जिले के सर्वश्रेष्ठ किसान | बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर | मोटा अनाज उत्पादन |
| श्री अमरजीत कुमार सिन्हा | 2023–24 | जिले के करोड़पति किसान पुरस्कार | महिन्द्रा ट्रैक्टर | सब्जी बीज उत्पादन |
| श्री रबि प्रकाश | 2023–24 | उत्कृष्ट किसान पुरस्कार | भा•क•अनु•प•–कृ•प्रौद्यो•अनु• अनुसंधान संस्थान, जोन IV पटना | मशरूम उत्पादन |
| श्री आनंद मुरारी सिंह | 2024–25 | जिले के सर्वश्रेष्ट आम उत्पादक | राज भवन पटना | फल उत्पादन |
| श्री परमानन्द सिंह | 2024–25 | जिले के सर्वश्रेष्ट आम उत्पादक | राज भवन पटना | फल उत्पादन |
| श्री विक्रमादित्य उपाध्याय | 2024–25 | जिले के सर्वश्रेष्ट आम उत्पादक | राज भवन पटना | फल उत्पादन |
| श्री दिपक कुमार | 2024–25 | जिले के सर्वश्रेष्ट आम उत्पादक | राज भवन पटना | फल उत्पादन |
| श्री हरेन्द्र कुमार सिंह | 2024–25 | जिले के सर्वश्रेष्ट आम उत्पादक | राज भवन पटना | फल उत्पादन |
| श्री अमरजीत कुमार सिन्हा | 2024–25 | जिले के सर्वश्रेष्ट आम उत्पादक | राज भवन पटना | फल उत्पादन |
| श्रीमती अनिता कुमारी | 2024–25 | जिले के सर्वश्रेष्ट महिला किसान | बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर | महिला सशक्तिकरण |
| श्री अमरजीत कुमार सिन्हा | 2024–25 | जिले के सर्वश्रेष्ट नवाचारी किसान | बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर | |
| श्री आनंद मुरारी सिंह | 2024–25 | जिले के सर्वश्रेष्ट मोटे अनाज उत्पादक। | बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर | फसल उत्पादन |

(घ) विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न बैठकों में अतिथि प्रगतिशील किसान

| किसान का नाम | कार्यक्रम | संस्थान / विभाग |
|---|---|---|
| श्री अमरजीत कुमार सिन्हा | 26वीं प्रसार परिषद् की बैठक | बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर |
| श्री आनंद मुरारी सिंह | 27वीं प्रसार परिषद् की बैठक | बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर |
| श्रीमती कुमारी संगीता | शोध परिषद् की बैठक | बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर |

(ड़) विशिष्ट अतिथियों का विवरण :

| क्रम सं॰ | पदाधिकारी का नाम | पदनाम |
|---|---|---|
| 1. | डॉ डी. आर. सिंह | कुलपति, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर |
| 2. | डॉ॰ अंजनी कुमार | निदेशक, भा॰क॰अनु॰प॰–कृ॰प्रौद्यो॰अनु॰ अनुसंधान संस्थान, जोन IV पटना |
| 3. | डॉ॰ आर॰ के॰ सोहाने | निदेशक प्रसार शिक्षा, बी॰ए॰यू॰, सबौर, भागलपुर |
| 4. | डॉ॰ आर॰ एन॰ सिंह | सह निदेशक प्रसार शिक्षा, बी॰ए॰यू॰, सबौर, भागलपुर |
| 5. | डॉ रणधीर कुमार | क्षेत्रीय निदेशक, कृषि अनुसंधान संस्थान, पटना |
| 6. | डॉ एम. डी. ओझा | क्षेत्रीय निदेशक, कृषि अनुसंधान संस्थान, पटना |
| 7. | डॉ॰ मुकेश कुमार सिन्हा | सह अधिष्ठाता सह प्राचार्य, वीर कुँवर सिंह कृषि महाविद्यालय, डुमरॉव, बक्सर |
| 8. | डॉ अमरेन्द्र कुमार | प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.–कृ.प्रौद्यो.अनु.अनुसंधान संस्थान, जोन IV पटना |
| 9. | श्री विजय शंकर सिंह | माननीय जिला परिषद सदस्य, बाढ, पटना। |

## 20. वित्तीय उपलब्धि

(क) संसाधन सृजन (लाख में)

| क्र.सं. | विवरण | राशि |
|---|---|---|
| 1 | किसान घर/प्रशिक्षण भवन का आवासन शुल्क | 1,06,000.00 |
| 2 | बैंक सूद | 5,22,613.00 |
| 3 | समुदायिक रेडियो स्टेशन, स्मार्ट, नई दिल्ली | 29,400.00 |
| 4 | समुदायिक रेडियो स्टेशन वर्मीलीयन कौम्यूनिकेशन प्रा.लिमिटेड | 48,620.00 |
| 5 | समुदायिक रेडियो स्टेशन हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड | 2,40,000.00 |
| 6 | समुदायिक रेडियो स्टेशन प्राकृतिक खेती | 1,20,000.00 |
| | **कुल** | **10,66,633.00** |

(ख) राजस्व सृजन

| क्रम सं | मद | आय (रुपया) |
|---|---|---|
| 1. | पुआल | 1,05,600.00 |
| 2. | मडुआ बीज | 10,140.00 |
| 3. | मुर्गा | 30,650.00 |
| 4. | मछली | 2,625.00 |
| 5. | पोषक वाटिका किताब | 87,500.00 |

| कम सं | मद | आय (रुपया) |
|---|---|---|
| 6. | धान बीज | 3,93,618.00 |
| 7. | मशरूम बीज | 17,540.00 |
| 8. | मिट्टी जॉच | 4,24,720.00 |
| 9. | पुराने अखबार की बिक्री | 2,380.00 |
| 10. | प्याज | 6,624.00 |
| 11. | आलू | 10,800.00 |
| 12. | सब्जी | 1,290.00 |
| 13. | आम का पौधा | 15,600.00 |
| 14. | अमरूद का पौधा | 250.00 |
| 15. | अमरूद की निलामी | 5,000.00 |
| 16. | अबीज बिक्री | 5,22,700.00 |
| 17. | सरसों का बीज | 1,30,440.00 |
| 18. | मसूर का बीज | 2,05,000.00 |
| 19. | चना बीज | 90,200.00 |
| 20. | गेंहू बीज | 6,86,280.00 |
| 21. | आलू बीज | 51,120.00 |
| 22. | खेसारी बीज | 8,400.00 |
| 23. | मटर बीज | 800.00 |
| 24. | मशरूम | 4,366.00 |
| 25. | अंडा | 1,890.00 |
| 26. | केचुआ खाद | 156.00 |
| 27. | तीसी बीज | 1,620.00 |
| 28. | मडुआ बीज | 810.00 |
| 29. | दूध | 47,538.00 |
| 30. | मूंग बीज | 3,06,000.00 |
| | **कुल** | **31,71,657.00** |

(ग) चक्रीय खाता

| प्रारंभिक शेष (01.04.2024) | सृजित राशि | व्यय | उपलब्ध राशि (31.12.2024) |
|---|---|---|---|
| 96,72,606.55 | 24,87,814.00 | 12,53,505.00 | 1,09,06,915.55 |

## 21. आकस्मिक फसल योजना (खरीफ 2024)

| योजना (अ) | प्रमुख खेती की स्थिति | सामान्य फसल प्रणाली | फसल /फसल प्रणाली में बदलाव | शस्य प्रबंधन |
|---|---|---|---|---|
| सामान्य वर्षापात में 2 सप्ताह का विलंब | उपरी जमीन | धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी | 1) मध्यम अवधि के धान एवं उनके प्रभेद को प्राथमिकता दें<br>2) उपरी जमीन में मडुआ का बिचड़ा डालें | 1) सामान्य शस्य क्रियाएँ<br>2) धान की सीधी बुआई को प्राथमिकता |
| | मध्यम जमीन | धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी/ धान – आलू | मध्यम अवधि के धान ( रा. भगवती, रा. सुवासिनी, रा. कस्तूरी, सरोज, रा. श्वेता | 1) सामान्य शस्य क्रियाएँ<br>2) धान की सीधी बुआई में सूखा प्रतिरोधी किस्म को प्राथमिकता |
| | निचली जमीन | धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी/ धान – आलू | मध्यम अवधि के धान ( राजश्री, किशोरी, सरोज, अभिषेक, सत्यम आदि) | 1) धान की विलम्ब से रोपाई वाले खेत में फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा को समय से देना<br>2) धान की सीधी बुआई वाले खेत में निकौनी अथवा खरपतवार नाशी का समय से प्रयोग |
| **योजना (ब)** | | | | |
| सामान्य वर्षापात में 4 सप्ताह का विलंब | उपरी जमीन | धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी | 1) धान के कम अवधि वाले प्रभेद यथा सरोज, अभिषेक, सबौर हर्षित, सहभागी को प्राथमिकता<br>2) उड़द (टी 9, पंत 30)<br>3) मक्का ( शक्तिमान 1,2,3,4) एवं संकर मक्का को लगायें<br>4) पोषक अनाज यथा मडुआ, चीना, सावा, कोदो, कंगनी, कुटकी, बाजरा को धान के स्थान पर लगा सकते हैं। | 1) धान की सीधी बुआई वाले खेत में उद्भव पूर्व खरपतवार नाशी (पेण्डीमेथलीन / 1.3 ली प्रति एकड़) का समय से प्रयोग एवं 25 से 30 दिनों के बाद बिसपायरिबैक सोडियम/100 मि.ली. पायराजोसलफ्यूरान 80 ग्राम प्रति एकड़ का प्रयोग<br>2) इमिजाथइपर 10प्रतिशत का 40 ग्राम सक्रिय तत्व/ हे.<br>3) मक्का में खरपतवार नियंत्रण हेतु टेम्बोट्रायोन 42 : एस. सी.का 115 ग्राम सक्रिय तत्व/एकड़ या एट्राजीन 50 : का 400 ग्राम प्रति एकड़ |
| | मध्यम जमीन | धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी/ धान – आलू | धान के कम अवधि वाले प्रभेद यथा सरोज, अभिषेक, सबौर हर्षित, सहभागी को प्राथमिकता | धान की सीधी बुआई वाले खेत में उद्भव पूर्व खरपतवार नाशी (पेण्डीमेथलीन / 1.3 ली प्रति एकड़) का समय से प्रयोग एवं 25 से 30 दिनों के बाद बिसपायरिबैक |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | सोडियम / 100 मि.ली.<br>पायराजोसलफ्यूरान 80 ग्राम प्रति एकड़ का प्रयोग |
| | निचली जमीन | धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी / धान – आलू | 1) धान के कम अवधि वाले प्रभेद यथा सरोज, अभिषेक, सबौर हर्षित, सहभागी को प्राथमिकता | धान की सीधी बुआई वाले खेत में उद्भव पूर्व<br>खरपतवार नाशी (पेण्डीमेथलीन / 1.3 ली प्रति एकड़) का समय से प्रयोग एवं 25 से 30 दिनों के बाद बिसपायरिबैक सोडियम / 100 मि.ली.<br>पायराजोसलफ्यूरान 80 ग्राम प्रति एकड़ का प्रयोग |
| **योजना (स)** | | | | |
| सामान्य वर्षापात में 6–8 सप्ताह का विलंब | उपरी जमीन | धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी | 1) धान के कम अवधि वाले प्रभेद यथा सरोज, अभिषेक, सबौर हर्षित, सहभागी को प्राथमिकता<br>2) उड़द (टी 9, पंत 30), कुल्थी ( बिरसा कुल्थी 2,3 एवं इन्दिरा कुल्थी 1, प्रताप कुल्थी 2, गुजरात कुल्थी 1)<br>3) मक्का ( शक्तिमान 1,2,3,4), संकर मक्का<br>4) पोषक अनाज यथा मडुआ, चीना, सावाँ, कोदो, कंगनी, कुटकी, बाजरा को धान के स्थान पर लगा सकते हैं। | 1)अल्प अवधि के धान का सामुदायिक नर्सरी बनाकर रोपा करें<br>2)अल्प अवधि के धान की सीधी बुआई करें<br>3) अधिक दिन का बिचड़ा होने पर 3–4 बिचड़े की रोपाई करें<br>4) पौधों के अच्छे विकास हेतु पर्याप्त खाद की मात्रा डालें<br>5) आवश्यकता पड़ने पर जीवन रक्षक सिंचाई का प्रयोग करें। |
| | मध्यम जमीन | धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी / धान – आलू | 1) धान के कम अवधि वाले प्रभेद यथा सरोज, अभिषेक, सबौर हर्षित, सहभागी को प्राथमिकता<br>2) मडुआ की बुआई करें | |
| | निचली जमीन | धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी / धान – आलू | धान के कम अवधि वाले प्रभेद यथा सरोज, अभिषेक, सबौर हर्षित, सहभागी को प्राथमिकता | |

22. प्रस्तावित वार्षिक कार्य योजना :–जनवरी 2025 से दिसम्बर 2025 तक :

प्रशिक्षण कार्यक्रम :

(क) कृषको एवं महिला कृषकों के लिए :

| क्र• सं• | विषय | प्रशिक्षणों की संख्या | लाभार्थियों की संख्या | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | सामान्य | अनु• जाति | |
| 1. | गृह विज्ञान | 3 | 45 | 15 | **60** |
| 2. | कृषि अभियंत्रण | 20 | 365 | 75 | **440** |
| 3. | मृदा विज्ञान | 24 | 480 | 120 | **600** |
| 4. | उद्यान | 17 | 340 | 85 | **425** |
| 5. | पी•बी•जी• | 04 | 91 | 29 | **120** |
| | **कुल** | **68** | **1321** | **324** | **1645** |

(ख) ग्रामीण युवक / युवतियों के लिए :–

| क्र• सं• | विषय | प्रशिक्षणों की संख्या | लाभार्थियों की संख्या | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | सामान्य | अनु• जाति | |
| 1. | गृह विज्ञान | 03 | 45 | 15 | **60** |
| 2. | कृषि अभियंत्रण | 05 | 84 | 16 | **100** |
| 3. | मृदा विज्ञान | 08 | 160 | 40 | **200** |
| 4. | उद्यान | 07 | 140 | 35 | **175** |
| 5. | पी•बी•जी• | 03 | 83 | 26 | **109** |
| | **कुल** | **26** | **512** | **132** | **644** |

(ग) प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए :

| क्र• सं• | विषय | प्रशिक्षणों की संख्या | लाभार्थियों की संख्या | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | सामान्य | अनु• जाति | |
| 1. | गृह विज्ञान | 01 | 15 | 05 | **20** |
| 2. | कृषि अभियंत्रण | 03 | 47 | 03 | **50** |
| 3. | मृदा विज्ञान | 08 | 144 | 16 | **160** |
| 4. | उद्यान | 02 | 36 | 04 | **40** |
| 5. | पी•बी•जी• | 03 | 72 | 18 | **90** |
| | **कुल** | **17** | **314** | **46** | **360** |

अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण 2024–25 :

| क्र•सं• | मौसम | फसल | प्रभेद/उपादान | क्षेत्रफल (हे•)/सं• | प्रत्यक्षण की सं• |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | खरीफ | कद्दू | पूसा दो मौसमी | 01 हे• | 30 |
| 2 | खरीफ | फुलगोभी | सबौर अग्रिम | 01 हें• | 15 |
| 3 | रबी | प्याज | एन•एच•आर•डी•एफ•–रेड–3 | 01 हें• | 30 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 4 | खरीफ | सब्जी बीज | न्यूट्री किट | 60 पैकेट | 60 |
| 5 | रबी | सब्जी बीज | न्यूट्री किट | 60 पैकेट | 60 |
| 6 | गरमा | सब्जी बीज | न्यूट्री किट | 60 पैकेट | 60 |

**********